संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 341-गुरूवार 16- अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

भारत-ब्राजील रक्षा साझेदारी को नई ऊंचाई...राजनाथ सिंह और ब्राजील के उपराष्ट्रपति की मुलाकात में हुऐ कई बड़े ऐलान

रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे दोनों देश : राजनाथ

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2025। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को ब्राजील के उपराष्ट्रपति जेराल्डो अल्कमिन और रक्षा मंत्री जोसे मूसियो मोंटेइरो फिल्हो से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा,निवेश और अंतरिक्ष सहयोग को गहरा करने पर सहमति बनी। राजनाथ सिंह ने स्वागत करते हुए कहा, 'आप ऐसे समय भारत आए हैं जब देश त्योहारों के रंग में डूबा हुआ है। दीपावली आने वाली है और पूरा देश रोशनी से जगमगा रहा है।' उन्होंने ब्राजील के युवा प्रतिनिधियों के गणतंत्र दिवस के दौरान होने वाले यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लेने का स्वागत किया और कहा कि इससे दोनों देशों के युवाओं के बीच नई ऊर्जा और समझ विकसित होगी।

उपराष्ट्रपति अल्कमिन ने बताया कि ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा अगले साल फरवरी में भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा, 'भारत और ब्राजील के बीच दशकों से विश्वास और साझेदारी का रिश्ता है। हम इसे और मजबूत बनाना चाहते हैं।' अल्कमिन ने यह भी बताया कि दो दिन पहले उन्होंने एक राष्ट्रपति आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे भारत और ब्राजील के बीच 'डबल टैक्सेशन से बचाव' और 'रिसिप्रोकल इन्वेस्टमेंट एग्रीमेंट' लागू होंगे। ब्राजील के रक्षा मंत्री जोसे मूसियो मोंटेइरो फिल्हो ने बताया कि दोनों देशों के बीच रक्षा उद्योग पर एक नया समझौता जल्द साइन होने वाला है। इसके तहत रक्षा उत्पादों के विकास, उत्पादन और व्यापार में सहयोग बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नवंबर में ब्राजील के सैंटोस शहर में 24 से 28 तारीख तक 'ब्राजील-इंडिया डिफेंस इंडस्ट्री डायलॉग' आयोजित होगा,जो रक्षा साझेदारी को और मजबूत करेगा। फिल्हो ने कहा, 'अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की विशेषज्ञता सराहनीय है। हम इसरो के साथ मिलकर भविष्य के स्पेस मिशनों पर काम करना चाहते हैं।' उन्होंने बताया कि भारत में लॉन्च हुआ 'अमेजोनिया-1 सैटेलाइट' इस साझेदारी का प्रतीक है, जिसे और आगे बढ़ाया जाएगा। उधर, केंद्र सरकार के नक्सलवाद उन्मूलन अभियान को बड़ी सफलता मिली है। गृह मंत्रालय के मुताबिक,देश में सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या घटकर अब सिर्फ 3 रह गई है। वहीं,कुल नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या भी 18 से घटकर 11 हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में इस साल सुरक्षा बलों ने अब तक के सबसे सफल ऑपरेशन अंजाम दिए हैं। 312 नक्सली मारे गए, 836 गिरफ्तार हुए और 1,639 ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में वापसी की। गृह मंत्रालय ने कहा है कि सरकार का लक्ष्य 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का पूर्ण उन्मूलन करना है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर जिले सबसे अधिक प्रभावित माने जा रहे हैं।

बिहार चुनाव : भाजपा ने मैथिली ठाकुर और आनंद मिश्रा को भी बनाया उम्मीदवार

पटना, 15 अक्टूबर 2025। बिहार विधानसभा चुनाव -2025 को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी दूसरी सूची बुधवार शाम जारी की। इस सूची में प्रसिद्ध लोकगायिका मैथिली ठाकुर सहित 12 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। मैथिली ठाकुर को दरभंगा जिले के अलीनगर से टिकट मिला है। वहीं बक्सर सीट से पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा को उम्मीदवार बनाया गया है। मैथिली ठाकुर को इससे पहले मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार का स्टेट आइकॉन नियुक्त किया गया था। पत्रकारों से बातचीत में,जब उनसे पूछा गया कि क्या वह चुनाव लड़ने पर विचार करेंगी, तो उन्होंने कहा था कि उनका अपने गृहनगर से गहरा नाता है और उनका मानना है कि यहीं से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करना एक बहुमूल्य सीख होगी। उल्लेखनीय है कि बिहार भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े ने सोमवार को एक फेसबुक पोस्ट में मैथिली ठाकुर के साथ अपनी मुलाकात का विवरण साझा किया। तावड़े ने लिखा,प्रसिद्ध लोकगायिका मैथिली ठाकुर, जिनका परिवार 1995 में लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल के दौरान बिहार छोड़कर चला गया था,अब राज्य के तेज विकास से प्रेरित होकर वापस लौटना चाहती हैं। उन्होंने आगे लिखा,आज केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और मैंने उनसे बिहार के विकास में योगदान देने और लोगों की उम्मीदों को पूरा करने का अनुरोध किया। हम मैथिली ठाकुर को शुभकामनाएं देते हैं।

जैसलमेर बस अग्निकांड के बाद 2 अफसर सस्पेंड

जैसलमेर/जोधपुर, 15 अक्टूबर 2025। राजस्थान में स्लीपर बस अग्निकांड में बुधवार को सरकार ने एक्शन लिया। हादसे का शिकार हुई बस की बॉडी को चित्तौड़गढ़ में परिवहन विभाग ने अप्रूव किया था। बस बॉडी को अप्रूव करने वाले चित्तौड़गढ़ के कार्यवाहक डीटीओ सुरेंद्र सिंह और सहायक प्रशासनिक अधिकारी चुन्नी लाल को सस्पेंड कर दिया। हादसे के बाद जब प्रशासन ने बस से जुड़ी जानकारी जुटाई,तो खुलासा हुआ कि यह बस चित्तौड़गढ़ जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय में पंजीकृत थी। जांच में सामने आया कि बस मालिक ने नियमों की अनदेखी करते हुए नॉन एसी को एसी बस में मॉडिफाई करवा लिया था,जिसकी भनक परिवहन विभाग को भी नहीं लगी। एसीबी की ओर से भी मामले की जांच की जाएगी। इधर, मंगलवार देर रात पहली FIR दर्ज हुई। हादसे का शिकार हुए पत्रकार राजेंद्र चौहान के भाई ने बस मालिक और ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर के सदर थाने में केस दर्ज कराया।

मोदी का बिहार भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान

जब हर बूथ मजबूत होगा, तभी सुशासन की सरकार फिर से बनेगी

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2025। प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नमो ऐप के माध्यम से बिहार के भाजपा बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उन्हें राज्य में पूर्ववर्ती 'जंगलराज' की भयावह स्थिति की याद दिलाई और कहा कि युवाओं को यह बताना जरूरी है कि बिहार किस अंधेरे दौर से निकलकर आज विकास के पथ पर बढ़ा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपने-अपने बूथों पर जाकर हर परिवार को केंद्र की योजनाओं के लाभों के बारे में जागरूक करें और उपलब्ध वीडियो व आंकड़ों को साझा करें। मोदी ने कहा कि जब हर बूथ मजबूत होगा,तभी सुशासन की सरकार फिर से बनेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को 'मेरा बूथ,सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के माध्यम से बिहार के भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे घर-घर जाकर यह बताएं कि केंद्र सरकार की योजनाओं ने किस तरह से आम लोगों का जीवन आसान बनाया है। साथ ही,उन्होंने उन्हें यह भी याद दिलाया कि बिहार ने जंगलराज और

नक्सलवाद के भय से कैसे मुक्ति पाई है और उस व्यवस्था को फिर लौटने नहीं देना है। प्रधानमंत्री ने कहा,आज बिहार के हर घर से एक ही आवाज सुनाई दे रही है–'एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार,फिर से बनेगी सुशासन की सरकार'। यह बिहार की जनता के वोट की ताकत है जिसने राज्य को राजद और कांग्रेस की बुरी नज़र से बचाया है, और यह फिर से होगा। उन्होंने कहा कि आज बिहार में बेहतर माहौल बना है और इसका सबसे बड़ा लाभ युवाओं को मिल रहा है। मोदी ने कहा, जो 18-25 साल के नौजवान हैं,उन्होंने वो दौर नहीं देखा जब शाम 7 बजे के बाद लोग घरों से निकलने से डरते थे, रेल की पटरियां उड़ाई जाती थीं और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले जाना भी मुश्किल था। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे युवाओं को 'जंगलराज' के उस दौर की वास्तविकता से अवगत कराएं ताकि उन्हें आज के सुशासन की कीमत समझ में आए। प्रधानमंत्री ने गयाजी के भाजपा कार्यकर्ता ओम प्रकाश कुमार से बातचीत के दौरान बिहार की बेहतर हुई कानून-व्यवस्था का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज बिहार में ऐसा शांतिपूर्ण वातावरण है कि चुनाव कवरेज के लिए दिल्ली से आने वाले पत्रकार भी रात में निःसंकोच रिपोर्टिंग कर सकते हैं जबकि पहले ऐसा सोचना भी मुश्किल था। मोदी ने कहा कि भाजपा की सफलता का आधार बूथ स्तर की ताकत है। उन्होंने कहा, मेरा बूथ, सबसे मजबूत- यह केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि हमारी जमीनी सफलता की सबसे मजबूत कड़ी है। बूंद-बूंद से घड़ा भरता है, वैसे ही जब हर बूथ मजबूत होता है तभी पार्टी विजयी होती है।

सबमें मैं हूं और सब मुझमें हैं,यही वह दृष्टिकोण है जिससे सामाजिक हिंसा रुकेगी : मोहन भागवत

गांधीनगर,15 अक्टूबर 2025। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने बुधवार को गांधीनगर के कोबा स्थित प्रेक्षा विश्व भारती ध्यान केंद्र में आचार्य महाश्रमणजी से मुलाकात की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं हर साल अपनी बैटरी चार्ज करने यहां आता हूं। डॉ भागवत ने कहा कि व्यक्तिगत चरित्र और राष्ट्रीय चरित्र का आधार नैतिकता है और नैतिकता का आधार आध्यात्मिकता है,क्योंकि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं है। इसी वजह से मैं ऐसे स्थानों पर जाता हूं जहां से मुझे अपने काम के लिए आवश्यक ऊर्जा मिलती है। आचार्य महाश्रमणजी की अहिंसा अब जबकि संघ के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं, हमारे कार्यकर्ताओं ने सोचा कि हमें समाज में एक ऐसा कार्यक्रम लेकर जाना चाहिए जिससे पूरे समाज में ऐसी सद्भावना पैदा हो, जिसके आधार

पर नैतिकता का निर्माण हो। इसलिए शताब्दी वर्ष में कोई बड़ा कार्यक्रम नहीं किया जाएगा, क्योंकि यदि हमने देश के लिए काम करते हुए 100 वर्ष पूरे कर लिए हैं, तो यह हमारा कर्तव्य था, इसके लिए उत्सव मनाने की कोई आवश्यकता नहीं है। सरसंघचालक ने कहा कि हमने पंच परिवर्तन नामक एक कार्यक्रम के बारे में सोचा है जिसमें पांच प्रकार के कार्यक्रम हैं...

1. पारिवारिक शिक्षा,2. सामाजिक समरसता, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4. नागरिक कर्तव्य 5. आत्मनिर्भर जीवन (स्वदेशी)।

गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री रवि नाइक का कार्डियक अरेस्ट से निधन

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2025। गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान कृषि मंत्री रवि नाइक का बुधवार सुबह कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया। वे 79 वर्ष के थे। दिल का दौरा पड़ने के बाद नाइक को पोंडा के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर रवि नाइक के निधन पर शोक जताते हुए कहा, गोवा सरकार में मंत्री रवि नाइक जी के निधन से दुःख हुआ। उन्हें एक अनुभवी प्रशासक और समर्पित

लोक सेवक के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने गोवा के विकास में अहम योगदान दिया। वे हमेशा वंचितों और हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने के लिए काम करते थे। पीएम मोदी ने इस कठिन समय में उनके परिवार और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं भी प्रकट कीं। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी रवि नाइक के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया।

भारत का चांद पर मानव मिशन 2040 तक, 2027 में लॉन्च होगा स्वदेशी मानव स्पेस मिशन गगनयान : इसरो चीफ

रांची,15 अक्टूबर 2025। इसरो चीफ वी. नारायणन ने बुधवार को कहा कि भारत ने 2040 तक अपने नागरिकों को चंद्रमा पर उतारने का टारगेट तय किया है। वहीं, भारत का पहला मानव स्पेस मिशन 'गगनयान' 2027 में लॉन्च होना है। नारायणन ने बताया कि इसरो 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशनकी स्थापना और 2026 तक तीन बिना मानव वाले गगनयान मिशन लॉन्च करने पर काम कर रहा है। इनमें से पहला मिशन, जिसमें अर्ध-मानव रोबोट 'व्योममित्रा' शामिल होगा, दिसंबर 2025 में लॉन्च किया जाएगा। नारायणन रांची स्थित बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी , मेसरा के 35वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। नारायणन ने कहा,पीएम नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी मानवयुक्त चंद्र मिशन के लिए 2040 की समय सीमा तय की है। इसके तहत हमें अपने नागरिकों को चंद्रमा पर

उतारकर सुरक्षित वापस लाना होगा। इसके अलावा, शुक्र ग्रह पर स्टडी के लिए 'वीनस ऑर्बिटर मिशन को भी मंजूरी मिल चुकी है।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन 2035 तक : इसरो प्रमुख ने बताया कि 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' की स्थापना 2035 तक की जाएगी। इसके शुरुआती मॉड्यूल 2027 से ही अंतरिक्ष में स्थापित किए जा सकते हैं।उन्होंने कहा, गगनयान मिशन में प्रगति हो रही हैं। क्रू मिशन से पहले तीन बिना मानव वाले मिशनों की योजना है। व्योममित्रा इस साल दिसंबर में उड़ान भरेगी, जबकि दो और मिशन अगले साल होंगे। मानवयुक्त गगनयान मिशन 2027 की पहली तिमाही तक संभव होगा। नारायणन ने बताया कि पीएम मोदी के स्पष्ट रोडमैप और अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों की बदौलत इसरो आत्मनिर्भर और सशक्त स्पेस ईको सिस्टम बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

आईएमएफ द्वारा भारत के विकास अनुमान को बढ़ाना देश के आर्थिक लचीलेपन और मजबूत बुनियादी कारकों का प्रमाण : पीयूष गोयल

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2025। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज सीआईआई द्वारा आयोजित 7वें भारतीय रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स सम्मेलन में मुख्य भाषण देते हुए कहा कि रसायन एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग में नई प्रौद्योगिकियों के विकास में अग्रणी बनने तथा अर्थव्यवस्था एवं उद्योग के लिए अत्याधुनिक समाधान उपलब्ध कराने में भारत को अग्रणी बनाने की क्षमता है। गोयल ने रेखांकित किया कि सरकार की नीतियों का उद्देश्य संतुलित विकास सुनिश्चित करना है जिससे समाज के सभी वर्गों को लाभ हो,घरेलू अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो और भारत वैश्विक मंच पर प्रमुखता से स्थापित हो। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा हाल ही में 2025 के लिए भारत के विकास अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत करने का उल्लेख किया, जो इसके पूर्व के 6.4 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। यह देश की आर्थिक दृढ़ता और मज़बूत बुनियादी कारकों का प्रमाण है। गोयल ने इस बात पर बल दिया कि महान और उन्नत राष्ट्र प्रौद्योगिकी और नवोन्मेषण पर ध्यान केंद्रित करके अपनी स्थिति प्राप्त करते हैं और भारत को अपने विकास लक्ष्यों को अर्जित करने के लिए इसी मार्ग का अनुसरण करना चाहिए।

गोयल ने ज़ोर देकर कहा कि तेल-समृद्ध देश भी मूल्यवर्धित उत्पादों, स्वच्छ ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन-संबंधी प्रौद्योगिकियों में निवेश कर रहे हैं, जो नवोन्मेषण-केंद्रित विकास की ओर वैश्विक बदलाव को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विश्व अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन से निपटने और प्रौद्योगिकीय रूप से आगे बढ़ने की आवश्यकता निरंतर बनी हुई है। उन्होंने विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास तथा नवोन्मेषण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ये भारत के एक उन्नत राष्ट्र बनने और 2047 तक विकसित भारत के विजन को अर्जित करने की यात्रा की रीढ़ हैं। गोयल ने रसायन एवं पेट्रोरसायन क्षेत्र की महत्वपूर्ण क्षमता और राष्ट्र के समग्र विकास में इसकी कार्यनीतिक भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस सेक्टर का कृषि,स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचा,निर्माण,ऊर्जा और गतिशीलता सहित कई उद्योगों में व्यापक उपयोग और प्रभाव है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस क्षेत्र के उत्पाद और सेवाएं सर्वव्यापी हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विनिर्माण और उपभोग इको-सिस्टम के लगभग हर पहलू को प्रभावित करती हैं। गोयल ने उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तियों से अपनी क्षमताओं का सावधानीपूर्वक आकलन करने और उन क्षेत्रों की पहचान करने का आग्रह किया जहां भारत वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त कर सकता है। उन्होंने इस सेक्टर के लिए वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाकर और वर्तमान मामूली योगदान से आगे बढ़कर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में नेतृत्व का लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। गोयल ने आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन और विविधीकरण के महत्वपूर्ण महत्व पर भी ज़ोर दिया और कहा कि किसी एक आपूर्तिकर्ता या सीमित संख्या में देशों पर निर्भरता कमज़ोरियां पैदा कर सकती है। उन्होंने बताया कि जहां कुछ उत्पादों को आत्मनिर्भरता और सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए घरेलू संरक्षण की आवश्यकता हो सकती है, वहीं दक्षता,प्रतिस्पर्धात्मकता और सतत विकास प्राप्त करने के लिए इस सेक्टर को वैश्विक बाजारों के साथ समेकित रहना होगा। गोयल ने वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के साथ एकीकरण के लिए भारत के कार्यनीतिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला, साथ ही यह सुनिश्चित किया कि घरेलू उद्योग प्रतिस्पर्धी बने रहें।

कम गुणवत्ता वाले उपकरणों और पुर्जो की आपूर्ति करने वाली कंपनियों के साथ कोई नरमी नहीं : वैष्णव

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2025। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को राजधानी के भारत मंडपम में एशिया की सबसे बड़ी रेलवे और परिवहन प्रदर्शनी- 16वीं अंतरराष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी (आईआरईई 2025) का उद्घाटन किया। यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी 17 अक्टूबर तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी। आयोजन का मुख्य उद्देश्य रेलवे क्षेत्र में नवाचार,आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर सीआईआई (भारतीय उद्योग परिसंघ) और गति शक्ति विश्वविद्यालय के बीच कौशल विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा सीआईआई और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने संयुक्त रूप से ऑन द राइट ट्रैक शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की,जिसमें भारतीय रेलवे में हो रहे परिवर्तन और विकास की दिशा पर प्रकाश डाला गया है। रेल मंत्री वैष्णव ने प्रदर्शनी के उद्घाटन सत्र में कहा कि आईआरईई, भारतीय रेलवे के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है, जिसमें करीब 15 देशों के उपकरण निर्माता और बड़ी संख्या में एमएसएमई इकाइयां भाग ले रही हैं। यह समय है जब हमें अपने उपकरणों की गुणवत्ता, रेलवे के आधुनिकीकरण और नई तकनीकों के प्रयोग पर गंभीरता से पुनर्विचार करना होगा। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव हुए हैं। अब तक 35,000 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं। देश में 156 वंदे भारत एक्सप्रेस, 30 अमृत भारत और 4 नमो भारत ट्रेनें चल रही हैं, जो यात्रियों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय हैं। वर्तमान में भारतीय रेलवे प्रतिवर्ष लगभग 7,000 कोच तैयार कर रहा है।

संपादकीय

बीमार भविष्य की नींव

यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दर्शाता है कि एक लाख से अधिक स्कूलों की पढ़ाई सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रही है। एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे,अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। शिक्षा मंत्रालय के हालिया आंकड़े बताते हैं कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में एक लाख चार हजार स्कूल ऐसे थे,जो केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। इन स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी,जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश,झारखंड,महाराष्ट्र,कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है,फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाता। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय,भाषा,विज्ञान,अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता। एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी,अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो,उसके लिए खेल,पीटी और योग जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है। लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं।

सही मायनों में स्कूलों का शिक्षकों की कमी से जूझना शिक्षा विभाग की नाकामी को ही दर्शाता है। यह हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं,उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं। यदि इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो भी जाती है तो वे दुर्गम से सुगम स्कूलों में अपना तबादला ज्वाइन करने के तुरंत बाद करवा लेते हैं। जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप से लेकर विभागीय लेन-देन की भी शिकायत होती रहती है। यही वजह है कि शहरों व आसपास के इलाकों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती जरूरत से ज्यादा भी देखी जाती है। कैसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सड़कों पर बेरोजगारों की लाइन लगी हैं और स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली हैं। बताया जाता है कि माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयों में करीब साढ़े आठ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। इसके बावजूद कि हमारे यहां प्रशिक्षित शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। कहने को तो हमारे गाल बजाते नेता भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश कहते इतराते हैं,लेकिन इन नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि कुंठित होती युवा पीढ़ी के लिये उन्होंने क्या खास किया है? नौकरियों की भर्ती निकलती नहीं है। निकलती है तो पेपर आउट होने की खबरें आती हैं। सालों-साल उनके परिणाम नहीं निकलते। यदि परिणाम निकले भी तो फिर धांधली के आरोप लगने लग जाते हैं। फिर मामला वर्षों तक अदालतों में डोलता रहता है। विडंबना यह भी है कि आज सरकारी स्कूलों में गरीब व कमजोर वर्गों के बच्चे ज्यादा भर्ती होते हैं,इसलिए इन स्कूलों की तरफ कोई ध्यान नहीं देता।

गांव की राजनीति को अक्सर स्वार्थ,गुटबाज़ी और जातिगत समीकरणों के चश्मे से देखा

डॉ. सत्यवान सौरभ

गांव की राजनीति को अक्सर स्वार्थ, गुटबाज़ी और जातिगत समीकरणों के चश्मे से देखा जाता है। लेकिन कभी-कभी उसी मिट्टी से ऐसे लोग भी निकलते हैं,जो यह साबित कर देते हैं कि राजनीति केवल सत्ता पाने का माध्यम नहीं,बल्कि जनसेवा का सच्चा रास्ता भी हो सकती है। हरियाणा के भिवानी ज़िले के छोटे से गांव बड़वा से निकलने वाले रमेश वर्मा इसी सोच का जीवंत उदाहरण हैं। उनके चार दशक से अधिक लंबे सामाजिक और राजनीतिक जीवन में सत्ता की लालसा नहीं,बल्कि सेवा का संस्कार दिखाई देता है। रमेश वर्मा की यात्रा उस पीढ़ी से शुरू होती है,जब पंचायत केवल निर्णय का मंच नहीं बल्कि संवाद का प्रतीक हुआ करती थी। वर्ष 1983 में उनके पिता किशना राम सिंहमार के ग्राम सरपंच चुने जाने के समय से ही उन्होंने प्रशासनिक कार्य,गांव के विकास की जरूरतों और जनहित के मुद्दों को करीब से देखा। यही अनुभव उनकी राजनीतिक सोच की नींव बना। उस दौर में युवा रमेश ने पंचायत के कार्यों में सहयोग कर यह सीखा कि जनता का विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होती है। राजनीति में यह सीख उन्हें आगे भी दिशा देती रही। वर्ष 1996 में उन्होंने पहली बार जिला परिषद सदस्य के चुनाव में भाग लिया। 10 उम्मीदवारों में द्वितीय स्थान प्राप्त करना उस समय न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि थी,बल्कि यह संकेत भी कि बड़वा का यह युवा अपने गांव से आगे सोचने लगा था। तीन साल बाद, 1999 में,जब उन्हें हरियाणा सरकार द्वारा मार्केट कमेटी सिवानी (हल्का बवानी खेड़ा) का चेयरमैन नियुक्त किया गया,तब उन्होंने प्रशासनिक जिम्मेदारी को जनकल्याण की दृष्टि से निभाया। उस कार्यकाल में स्थानीय किसानों के हित,मंडी व्यवस्था की पारदर्शिता और व्यापारियों की सुविधाओं पर उनका ध्यान विशेष रहा।

रमेश वर्मा की राजनीति का दूसरा चरण 2005 में शुरू होता है, जब वे दोबारा अपने गांव के सरपंच चुने गए। पांच वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने जिस समर्पण से ग्राम पंचायत को विकास के मार्ग पर अग्रसर किया,वह आज भी चर्चा का विषय है। सड़क, पानी,स्ट्रीट लाइट,नालियां,स्कूल भवन और मंदिर-पार्क जैसी परियोजनाओं में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। लोगों का कहना है कि उन्होंने राजनीति को दिखावे का साधन नहीं,बल्कि समाज निर्माण का माध्यम बनाया। 2016 में जब वे पंचायती चुनाव में मात्र 71 वोटों से दूसरे स्थान पर रहे,तब भी उन्होंने इसे पराजय नहीं,बल्कि जनता के नए मिज़ाज का सम्मान माना। यह विनम्रता और आत्मस्वीकार ही उन्हें आम नेताओं से अलग बनाती है। उस हार के बाद भी उन्होंने समाजसेवा का कार्य जारी रखा और अगले तीन वर्षों में लोहारू विधानसभा चुनाव (2019) में सक्रिय रूप से संगठन और प्रचार कार्य संभालकर यह साबित किया कि उनकी निष्ठा पद से नहीं,उद्देश्य से जुड़ी है। भले ही उन्होंने स्वयं विधायक पद का चुनाव नहीं लड़ा,पर कई विधायकों की 'डूबती नैया' पार लगवाई। यह उनकी रणनीतिक सूझबूझ और जनसंपर्क कौशल का प्रमाण था–वे हर मोर्चे पर पार्टी और समाज के हित में मजबूती से खड़े रहे। सिर्फ राजनीति ही नहीं,रमेश वर्मा की पहचान एक समाजसेवी के रूप में भी गहरी है। स्वच्छ भारत अभियान के दौरान उन्होंने न केवल गांव में सफाई अभियान चलाया,बल्कि लोगों को व्यवहारिक रूप से स्वच्छता की आदत डालने की प्रेरणा दी। महिलाओं के लिए उन्होंने स्वयं सहायता समूह की शुरुआत की, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। कोविड-19 महामारी के कठिन दौर में उन्होंने राशन,मास्क और सैनिटाइज़र वितरण में सक्रिय भागीदारी निभाई।

अमित शाह और छत्तीसगढ़

दिवाकर मुक्तिबोध
के फेसबुक वॉल से...

अमित शाह केन्द्र सरकार के ऐसे पहले गृह मंत्री हैं जो हर चार-पांच महीनों में छत्तीसगढ का फेरा लगाते हैं। उनके पहले केन्द्र में किसी भी राजनीतिक पार्टी की सरकार रही हो,किसी भी गृह मंत्री को इतनी फुर्सत नहीं मिलती थी कि वे छत्तीसगढ जैसे छोटे प्रदेश का दर्जनों बार दौरा करें । अभी हाल ही में बस्तर दशहरा उत्सव में शामिल होने के लिए अमित शाह रायपुर आए। यद्यपि भाजपा शासित एक छोटे विकासशील राज्य के प्रति गृह मंत्री का इतना प्रेम चकित करता है और यह सुखद भी है लेकिन इसके बावजूद शासन के स्तर पर राज्य की जो दुरावस्था है वह चिंतनीय है तथा यह सोचने के लिए बाध्य करती है कि गृह मंत्री का प्रवास और आला अफसरों के साथ बैठकें सिर्फ एक खास उद्देश्य की पूर्ति से अधिक कुछ नहीं हैं जबकि बीते ढाई दशक से प्रदेश में वैसी ही परिस्थितियां कायम हैं जो समन्वित विकास के मार्ग को अवरूद्ध करती रही हैं। इनमें प्रमुख हैं सामंती मिजाज की अनियंत्रित नौकरशाही, उसमें व्याप्त भ्रष्टाचार तथा निर्वाचित जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं की सरकार व संगठन में उपेक्षा। यद्यपि यह सुखद है कि सरकार की कमान सीधे सरल तथा दीर्घ प्रशासनिक अनुभव रखने वाले वरिष्ठ आदिवासी नेता के हाथ में है लेकिन उनकी सज्जनता ही उनकी कमजोरी बनी हुई है फलस्वरूप शासन-प्रशासन काबू में नहीं है ढीली व कमजोर कही जाने वाली विष्णुदेव साय सरकार की एक छवि यह भी है कि वह केन्द्र के दबाव में रहती है तथा उसके निर्देशानुसार काम करती है। वह डबल इंजिन वाली अपनी ही केन्द्र सरकार की आंख से आंख मिलाकर राज्य के हितों से संबंधित महत्वपूर्ण सवालों पर स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम नहीं है और न ही वैसा साहस कर सकती है। ऐसी स्थिति में उसका सुशासन का दावा खोखला ठहरता है। जबकि यह उम्मीद की जाती है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के बाद सर्वाधिक शक्तिमान अमित शाह जिन्होंने एक प्रकार से छत्तीसगढ़ को गोद ले रखा है,का वरद हस्त रहते कम से कम कानून-व्यवस्था तथा अफसरशाही तो नियंत्रित रह ही सकती है पर ऐसा नहीं है।

दरअसल अमित शाह के फोकस में केवल नक्सली व नक्सलवाद है जिसे तय समय-सीमा के भीतर खत्म करने का उन्होंने बीड़ा उठा रखा है। अब इस समस्या का निदान उनकी प्रतिष्ठा से जुड़ गया है। इसलिए शायद वे उसके खात्मे का इंतज़ार कर रहे हैं। और इसके बाद अन्य मामलों में फार्म में आएंगे। यह बात ध्यान देने योग्य है कि 2023 के चुनाव में राज्य में भाजपा की वापसी एवं मंत्रिमंडल के गठन में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। किंतु सरकार में अधिकतर नये व अनुभवहीन विधायकों को मौका देने का उनका फार्मूला औंधा पड़ गया है। विधान सभा के भीतर एवं बाहर यह उनके परफार्मेंस से स्पष्ट है। ऐसे में गोद लिए प्रदेश में अमित शाह की जिम्मेदारी और बड़ी हो गई है। छत्तीसगढ़ में माओवादी हिंसा दशकों पुरानी गंभीर समस्या है और अगले छह महीनों में यदि यह समूल नष्ट हो जाती है तो केन्द्र व राज्य में भाजपा सरकार की इस दशक की यह सबसे बड़ी व एतिहासिक उपलब्धि होगी और जाहिर है इसका अधिकतम श्रेय अमित शाह को जाएगा लेकिन राज्य की सिर्फ एकमात्र यही समस्या नहीं है।

कानून व्यवस्था व भ्रष्टाचार भी उतने ही महत्वपूर्ण मुद्दे है जिन पर समान रूप से ध्यान देने की जरूरत है। भ्रष्टाचार का यह आलम है कि कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार व आर्थिक अनियमितताओं की खबरें अखबारों व सोशल मीडिया में सुर्खियां न बनती हों। यद्यपि पूर्ववर्ती कांग्रेस व भाजपा की सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए करोडों के भ्रष्टाचार के मामलों के उजागर होने के बाद जांच की प्रक्रिया तेजी से चल रही हैं,गिरफ्तारियां भी हो रही हैं किंतु सरकारी ठेकों में कमीशनखोरी कम हो गई हो या घट गई हो,ऐसा बिल्कुल नहीं है। शायद ही कोई ऐसा विभाग होगा जहां बिना लेन-देन की आम लोगों का काम हो जाता हो। ऐसे में सुशासन की दुहाई देना तथा उसे जनोनमुखी बताना तर्कसंगत नहीं है। जाहिर है इससे शासन-प्रशासन की छवि खराब होती है तथा नेताओं व जनप्रतिनिधियों पर आम जनता का विश्वास जो पहले से ही छिन्न-भिन्न है,और टूटता है। खासकर प्रशासनिक भ्रष्टाचार राज्य के विकास के मार्ग में सबसे बड़ा रोड़ा है।

यह अपने आप में अविश्वसनीय लेकिन बेहद शर्मनाक घटना है कि राज्य के कुछ आइएएस अफसरों ने समाज कल्याण विभाग में भ्रष्टाचार का ऐसा जाल रचा कि वर्षों तक किसी को कानों कान खबर नहीं हुई। उनकी छत्रछाया में एक कथित एक गैर सरकारी संगठन बेखौफ़ करोडों का वारा-न्यारा करता रहा। हाल ही में उजागर हुए इस प्रकरण की अब सीबीआई जांच चल रही है जिसमें पांच-छह वरिष्ठ आइएएस जो रिटायर हो चुके हैं,लिप्त पाए गए। इस एक घटना के अलावा भ्रष्टाचार के अन्य मामलों में भी अखिल भारतीय एवं राज्य प्रशासनिक सेवा के एक दर्जन से अधिक अधिकारी या तो जेल में या उनके खिलाफ केन्द्र व राज्य सरकार की एजेंसियां जांच कर रही हैं। आर्थिक घपलों का पर्दाफाश तथा जांच तो खैर जरूरी है ही किन्तु अधिक महत्वपूर्ण है इसकी रोकथाम जो मौजूदा निज़ाम में भी असंभव प्रतीत होती है। आश्चर्य व चिंता की बात यह भी है प्रदेश भाजपा संगठन भी सरकार के मामले में निस्तेज है और वांछित हस्तक्षेप नहीं कर पा रहा है। जमीनी कार्यकर्ता इस बात से खफ़ा हैं कि जिला तो जिला,तहसील स्तर की प्रशासनिक व्यवस्था में भी उनकी पूछ-परख नहीं है। इसलिए उनका असंतोष गहराते जा रहा है। लिहाज़ा सरकार के कामकाज की आलोचना बाहर ही नहीं पार्टी व सरकार के भीतर भी धधक रही है। सरकार के मुखिया विष्णुदेव साय के प्रति सहानुभूति उनके सीधे-साधे स्वभाव को लेकर अवश्य है पर उनके प्रति यह धारणा और मजबूत होती जा रही है कि निरंकुश अफसरों पर लगाम लगाना व जनता को सुशासन देना उनके बस में नहीं है। इसी संदर्भ में स्वास्थ्य मंत्री के पीए की बीच सड़क पर जन्मदिन की केक काटने की घटना को बिलासपुर हाईकोर्ट ने गंभीरता से लेकर जो टिप्पणी की है वह काबिलेगौर है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रशासन अब असहाय स्थिति में पहुंच चुका है तथा व्यवस्था पर नियंत्रण खो चुका है। पार्टी में सरकार के प्रति असंतोष के उदाहरण विधान सभा सत्रों में देखे गए हैं जब सत्ताधारी दल के ही दबंग व वरिष्ठ विधायकों ने अपने सवालों से असहज स्थितियां पैदा कीं यह पहली बार है जब सोशल मीडिया में भी संघ व पार्टी की विचार धारा के समर्थक मुख्य मंत्री के इर्द-गिर्द के आइएएस अफसरों का नाम लेकर उन्हें आरोपों के कटघरे में खड़े कर रहे हैं ताजा वाकया तो ननकी राम कंवर का है। पार्टी के वरिष्ठतम नेताओं में शुमार कंवर कोरबा रामपुर के सात बार के विधायक एवं पूर्व मंत्री हैं जिन्होंने कोरबा जिला प्रशासन में हो रही अनियमितताओं के खिलाफ़ खोला मोर्चा खोल रखा है। उनके अल्टीमेटम पर तत्काल ध्यान देने एवं उनसे बातचीत करने के बजाए संगठन व सरकार ने उन्हें बहुत हल्के में लिया तथा चार अक्टूबर को अमित शाह के प्रवास के दौरान उन्हें चंद घंटों के लिए नज़रबंद कर दिया। इस घटना से यह संकेत मिलता है कि सरकार व संगठन में अब बृजमोहन अग्रवाल जैसा कोई ट्रबल शूटर नहीं है जो अपनी चतुराई से स्थितियों को सम्हाल सके बहरहाल राज्य विधान सभा के अगले चुनाव के लिए अभी तीन वर्ष शेष हैं लेकिन यदि लोग अभी से कहने लग जाए कि अगली बार सरकार बदल जाएगी तो यह भाजपा संगठन व सरकार के लिए चिंता की बात होनी चाहिए।

इस्राइल-हमास युद्धविरामः आशा की किरण या अस्थायी विराम?

ललित गर्ग

गाज़ा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष,हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है,परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं,उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी,या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई,गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं।

यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है,क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं,वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे,जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी,जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाज़ा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास,असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों,बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया,उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय,धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल,इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई,तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है,बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण'बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका,यूरोप,और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की कूटनीति की जीत से अधिक,मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव,मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके,युद्ध का अंधेरा नहीं,शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाज़ा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी,भोजन,दवा,शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते,तब तक शांति केवल कागज़ों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय,दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं,बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें,फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला,लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था,तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था,पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया,बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए।

यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र,यूरोपीय संघ,अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए,जिसमें राजनीतिक समाधान,मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाज़ा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे,जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे,जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा,तभी यह कहा जा सकेगा कि गाज़ा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा,क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए।

कविता

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़, छ.ग.

परिवर्तन लाना पड़ता है...

अपने आप आती है बारिश,
थमने नहीं स्वीकारती कोई गुजारिश,
आंधी के आने का कोई काल नहीं है,
जिसे रोकने के लिए कोई जाल नहीं है,
खुदबखुद आ जाती है तूफान,
क्या पता ले ले कितनों की जान,
मगर किसी की जान लिए बिना
महापुरुष गण परिवर्तन लाते हैं,
तात्कालिक अवरोधों से बेफिक्र टकराते हैं,
भले ही सड़े गले लेकिन
तत्कालीन समय के सशक्त
प्रचलित व्यवस्था से टकराना,
कोई बांये हाथ वाला खेल नहीं है,
जहां विचारों का होता मेल नहीं है,
अवैज्ञानिक,अमानुषिक नियम
हर किसी के लिए समान नहीं होते,
विभेदों से भरे ग्रंथवाणी में ज्ञान नहीं होते,
इंसान होकर भी इंसान इंसान नहीं होते,
ऐसी प्रथाओं के लिए खपना बलिदान नहीं होते,
इस दुनिया में अंधविश्वास,पाखंड
और भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है,
नैतिकता,सत्य,दया से बड़ा भगवान नहीं है,
बुद्ध,गुरू नानक,रैदास,कबीर,
गुरू घासीदास,फुले,अम्बेडकर,पेरियार,
कांशीराम जैसों का सदा रहता इंतजार,
इन सबने इंसानों को गले लगाया है,
तभी तो हर शख्स निर्विवाद रूप से
युग परिवर्तक महापुरुष कहलाया है।

सुविचार

अगर जिंदगी में कुछ पाना हो तो तरीके बदलो इरादे नहीं.

आधुनिक समुद्र विज्ञान के क्षेत्र में नॉर्वे के अग्रणी

संजय गोस्वामी
अणुशक्तिनगर,मुंबई

ब्योर्न हेलैंड-हैनसेन का जन्म 16 अक्टूबर 1877 को क्रिश्चियनिया,नॉर्वे में हुआ था,और वे एक नॉर्वेजियन समुद्र विज्ञानी थे। महासागरों की भौतिक संरचना और गतिकी पर उनके अध्ययन ने समुद्र विज्ञान को एक मुख्यतः वर्णनात्मक विज्ञान से भौतिकी और रसायन विज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित विज्ञान में बदलने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हेलैंड-हैनसेन का अधिकांश कार्य बर्गन में हुआ,जहाँ उन्होंने क्रमशः मरीन बायोलॉजिकल स्टेशन के निदेशक, बर्गन संग्रहालय में प्रोफेसर और भूभौतिकीय संस्थान के पहले निदेशक के रूप में कार्य किया,जिसकी स्थापना 1917 में मुख्यतः उनके प्रयासों से हुई थी। वे अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक मामलों में सक्रिय थे और 1945 में अंतर्राष्ट्रीय भूगणित और भूभौतिकी संघ के अध्यक्ष चुने गए। क्रिश्चियनिया (अब ओस्लो) में जन्मे,उन्होंने शुरुआत में विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई की, लेकिन जल्द ही चिकित्सा की ओर रुख कर लिया। जैसा कि उन्होंने बाद में बताया,मुझे आखिरकार एक छात्र जैसा महसूस हुआ। इस दौरान,के.आर. बर्कलैंड ने हाल ही में खोजी गई एक्स-रे पर तीन व्याख्यान दिए। हेलैंड-हैनसेन अपने पूर्व शिक्षक द्वारा दिए गए इन व्याख्यानों में शामिल हुए और बाद में नियमित व्याख्यानों में उनकी सहायता की। 1898 में, वे ट्रोम्सो से नॉर्वे के उत्तरी क्षेत्रों तक पहले ऑरोरा बोरेलिस अभियान में बर्कलैंड के सहायक के रूप में उनके साथ गए। एक बर्फ़ीले तूफ़ान में जब उनकी उंगलियाँ जम गईं,तो उन्हें वापस लौटना पड़ा और अपनी चिकित्सा की पढ़ाई छोड़नी पड़ी। इसके बाद, उन्होंने प्राकृतिक विज्ञानों का अध्ययन शुरू किया और कोपेनहेगन में मार्टिन नुडसेन के साथ समय बिताया– यह समुद्र विज्ञान से उनका पहला परिचय था। यह सदी के अंत में,समुद्र अध्ययन के तीव्र विकास के दौर में हुआ। 1898 में,विल्हेम बर्कलैंड ने परिसंचरण प्रमेय विकसित किया। 1900 तक,फ्रिड्टजॉफ नानसेन ने नॉर्वेजियन सागर का व्यावहारिक अध्ययन शुरू कर दिया था,जिसमें हेलैंड-हैनसेन उनके सहायक के रूप में कार्यरत थे। 1902 में,दो अंतर्राष्ट्रीय संगठन स्थापित हुए अंतर्राष्ट्रीय समुद्री अन्वेषण परिषद और क्रिस्टियानिया (ओस्लो) में अंतर्राष्ट्रीय केंद्रीय प्रयोगशाला दोनों ही नानसेन के नेतृत्व में और वी.डब्ल्यू. एकमैन उनके सहायक के रूप में संचालित होते थे। उसी वर्ष,एकमैन ने पवन-चालित महासागरीय धाराओं पर अपना सिद्धांत प्रकाशित किया,और 1903 में,हेलैंड-हैनसेन ने महासागरीय गतिविधि पर परिसंचरण प्रमेय लागू किया। गतिकीय गणनाओं के उनके सूत्रीकरण ने उन्हें भौतिक समुद्र विज्ञान के इतिहास में एक स्थायी स्थान दिलाया। इस स्तर पर, अत्यधिक सटीक व्यावहारिक अवलोकन आवश्यक थे,जिसके लिए उपकरणों और विधियों पर सावधानीपूर्वक विचार करना आवश्यक था। हेलैंड-हैनसेन 1902 से 1914 तक बर्गन में अंतर्राष्ट्रीय महासागर अनुसंधान पाठ्यक्रमों में भौतिक समुद्र विज्ञान के लिए उत्तरदायी थे। 1909 में,नानसेन के साथ मिलकर,उन्होंने प्रभावशाली मोनोग्राफ द नॉर्वेजियन सी पूरा किया,जो उनके द्वारा एकत्रित आँकड़ों का एक व्यापक विश्लेषण था। 1906 से, बर्गन संग्रहालय के जैविक केंद्र के निदेशक के रूप में,हेलैंड-हैनसेन ने एक समर्पित अनुसंधान पोत की आवश्यकता को पहचाना। इसके परिणामस्वरूप 1913 में आर्मोर हैनसेन का निर्माण हुआ–एक छोटा जहाज,केवल 76 फीट लंबा,जिसे उनके अपने विचारों के अनुसार डिज़ाइन किया गया था। यह जहाजउत्तरी अटलांटिक,भूमध्य सागर,नॉर्वेजियन सागर और यहाँ तक कि स्पिट्सबर्गेन में भी संचालित होता था। उत्तरी अटलांटिक,भूमध्य सागर,नॉर्वेजियन सागर और यहाँ तक कि स्पिट्सबर्गेन के उत्तर में अपनी यात्राओं के दौरान,उन्होंने इन विचारों की सत्यता का प्रदर्शन किया।

पिछली गर्मियों तक ये विचार अपने उद्देश्य में सफल रहे, जब उनकी जगह हीलैंड-हैनसेन के नाम पर एक नया संस्थान स्थापित किया गया। उनकी सिफ़ारिश पर,बर्गेंस संग्रहालय ने 1917 में भूभौतिकीय संस्थान की स्थापना की,जिसमें जल विज्ञान,गतिशील मौसम विज्ञान (विल्हेम बर्कनेस के नेतृत्व में) और 1928 से भूचुंबकत्व और ब्रह्मांडीय भौतिकी विभाग स्थापित किए गए।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

वोकल फॉर लोकल ही आत्मनिर्भर भारत की नींव:चंदूलाल साहू

अंबिकापुर विधानसभा स्तरीय सम्मेलन में उद्यमियों एवं कामगारों का हुआ सम्मान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
आज संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत अंबिकापुर विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राज्य भंडार गृह निगम छत्तीसगढ़ शासन के अध्यक्ष चंदूलाल साहू एवं सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर मंजूषा भगत तथा जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह सम्मिलित हुईं। सम्मेलन में वोकल फॉर लोकल से जुड़े महिला-पुरुष उद्यमियों, व्यवसायियों और कामगारों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता चंदूलाल साहू ने अपने संबोधन में कहा कि हम अमृतकाल में प्रवेश कर चुके हैं। यह समय हमें आत्मनिर्भर बनने का संदेश देता है। वर्षों तक सत्ता में रही कांग्रेस ने देश को केवल सत्ता की राजनीति तक सीमित रखा, लेकिन स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कभी ईमानदार प्रयास नहीं किया। स्वदेशी का अर्थ है अपनी अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना। हमें अपने विरासत पर गर्व होना चाहिए,क्योंकि स्वदेशी ही रामराज्य की नींव है। मोदी जी के नेतृत्व में 2047 तक आत्मनिर्भर भारत का सपना अवश्य साकार होगा। सम्मेलन में विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा मोदी सरकार ने महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में बढ़ाई है। अब हमारा संकल्प चौमुखी विकास की ओर बढ़ना है। जब हम सब मिलकर स्वदेशी उत्पादों को अपनाएंगे, तभी भारत पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनेगा। लोह पुरुष सरदार सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती अभियान के प्रदेश सदस्य अंबिकेश केसरी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री मोदी जी ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का जो आह्वान किया, उसने देश की दिशा बदल दी। जापान की तरह भारत भी अब स्वदेशी के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है और आत्मनिर्भर भारत बनने की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर प्रस्तावना उद्बोधन जिला उपाध्यक्ष विकास पांडेय ने दिया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने किया तथा महामंत्री अरुणा सिंह ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह,सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी,त्रिलोक कपूर कुशवाहा,देव नारायण यादव, विकास पांडेय,मधु चौधहा,दिनेश सिंह,निश्चल प्रताप सिंह,अंकित जायसवाल,संतोष दास,रूपेश दुबे,निलेश सिंह,गोल्डी बिहाड़े, आकाश गुप्ता, मनोज गुप्ता,मनीष सिंह, अजय प्रताप सिंह, आकाश जायसवाल,राजकुमार बंसल, चंद्रिका यादव,रज्जु राम,धनंजय मिश्रा,विकास वर्मा, जतिन परमार, मनोज कंसारी,पूरन टेकाम,राजेंद्र जायसवाल, विद्यानंद मिश्रा,विजय व्यापारी,निरंजन राय,नकुल सोनकर, मयंक जायसवाल,रवि जायसवाल, प्रियंका चौबे, सरिता जायसवाल,प्रभात खलखो, शशिकांत जायसवाल, सकुंतला पांडेय, ममता तिवारी, शालिनी सिंह, विवेक सिंह, आलोक दुबे, अजय सोनी, धनराम नागेश, राजबहादुर शास्त्री, अभिषेक प्रताप सिंह, शरद सिन्हा, विवेक सिंह सेंगर, दिनेश बारी, कमलेश तिवारी, सोनू तिग्गा, नीलम राजवाड़े, रोचक गुप्ता, अखंड विधायक सिंह, प्रबोध सिंह, इंदु गुप्ता,रजनी बिंद,अर्चना सिंह, इंदु नेताम, सरिता जायसवाल,ममता तिवारी, बबली नेताम, प्रिया सिंह, कमला सिंह,नंदिनी, अंजू, नंद किशोर, कमलेश जायसवाल, सत्यम साहू सहित महामाया मंडल क्षेत्र के बड़ी संख्या में व्यवसायी और कामगार उपस्थित रहे।

खाना बनाने के विवाद में छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या,मोबाइल चार्जर के तार से दबाया गला

-संवाददाता-
सरगुजा,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र में भाई-भाई के रिश्ते को शर्मसार कर देने वाला एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। मामूली विवाद ने देखते ही देखते इतना भयावह रूप ले लिया कि छोटे भाई ने गुस्से में आकर बड़े भाई की जान ले ली। हत्या का तरीका भी इतना विचित्र था कि गांव में सनसनी फैल गई। आरोपी ने अपने ही बड़े भाई का गला मोबाइल चार्जर के तार से घोंटकर मौत के घाट उतार दिया। उक्त घटना सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम खड़ादोरना की है,जहां मंगलवार देर रात खाना बनाने को लेकर विवाद हुआ। बताया जा रहा है कि मृतक अमोश लकड़ा (22 वर्ष) और उसका छोटा भाई निलेश लकड़ा (19 वर्ष) घर में थे। किसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हुई,जो देखते-देखते झगड़े में बदल गई। गुस्से में निलेश ने पास रखे मोबाइल चार्जर का तार उठाया और अमोश का गला घोंट दिया। कुछ ही मिनटों में अमोश की मौके पर ही मौत हो गई। बुधवार सुबह घटना की जानकारी गांव वालों ने सीतापुर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। प्रारंभिक जांच में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई है। मृतक के पिता रामचरण लकड़ा ने पुलिस पूछताछ में बताया कि हत्या उसके छोटे बेटे निलेश ने की है। हालांकि, पुलिस को पिता के बयान में भी विरोधाभास मिला है।

शंकरगढ़ पुलिस ने 5 वर्षों से फरार चल रहे लुट के आरोपी को किया गिरफ्तार,गिरफ्तारी के डर से लुक छिप कर मुंबई में रह रहा था आरोपी

-संवाददाता-
शंकरगढ़/ बलरामपुर,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
जिले के शंकरगढ़ पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्राथी रूपेश अग्रवाल पिता ओम अग्रवाल निवासी शंकरगढ़ 41वर्ष के द्वारा शंकरगढ़ थाने में 11/12/2020को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 10/12/2020 को अपने निवास स्थान शंकरगढ़ में शान्तिपाठ करवाने के लिए स्वयंभू बाबा संजय शर्मा उर्फ सचितानद सिंह आशुतोष सिंह संजय मिश्रा अपने घर बुलाया था, प्राथी के बुलावे पर संजय शर्मा उर्फ सच्चिदानंद, आशुतोष सिंह, संजय मिश्रा, अपने स्कॉर्पियो वाहन क्र . एम. पी.19सी.बी.9280 से लगभग दोपहर 1.30बजे प्राथी रूपेश अग्रवाल के घर पूजा पाठ कराने आय थे, प्राथी रूपेश अग्रवाल के द्वारा स्वयंभू बाबाओं के कहने पर चांदी की गणेश जी की मूर्ति एवं लक्ष्मी जी की मूर्ति के साथ साथ एक लाख इकहत्तर हजार रुपए थाली में रख कर पूजा पाठ सम्पन्न कराया गया।

स्वयंभू बाबाओं की योजना कुछ और ही था, स्वयंभू बाबाओं के द्वारा अपनी योजना के अनुरूप प्राथी को किए गए पुजा पाठ के समाग्री को किसी नदी में प्रभावित करने को कहकर प्राथी रूपेश अग्रवाल एवं उनके साथी इंद्रदेव को अपनी ही गाड़ी में बैठाकर भोरन नदी पहुंचे प्राथी रूपेश अग्रवाल जैसे ही पूजा समाग्री विसर्जन के लिए आगे बढ़े योजना को अंजाम देने को आतुर स्वयंभू बाबाओं ने धक्के देकर प्राथी को जमीन पर गिराकर प्राथी रूपेश अग्रवाल के गले से लगभग तीन तोला का सोने के चैन के साथ साथ नगद एक लाख इकहत्तर हजार रुपए चांदी के गणेश जी एवं लक्ष्मी जी की मूर्ति की लूटा मार कर घटना स्थल से रफूचकर हो गए। घटना स्थल पर नेटवर्क ना होने के कारण प्राथीअपने परिजनों से मोबाईल फोन पर कोई संपर्क नहीं कर पाए,नेटवर्क में आने पर प्राथी रूपेश अग्रवाल द्वारा अपने परिजनों को अपने ऊपर हुए घटना के बारे में जानकारी दी,परिजनों के द्वारा बाबाओं की काफी बिन की गई,लेकिन स्वयंभू बाबाओं का कोई अता पता मिलने पर प्राथी द्वारा शंकरगढ़ थाने आकर घटना की सूचना दी गई, प्राथी रूपेश अग्रवाल की रिपोर्ट पर शंकरगढ़ पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लेकर अपराध क्र.132/2020,धारा 392420, वी भादवी का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लेकर एक आरोपी असुतोष सिंह पिता कमलाकर उम्र 36वर्ष निवासी इटावरी थाना जवा, जिला रीवा (म. प.) से 10100, रु. एवं स्कॉर्पियो वाहन क्र . (म. प.) 19 सी.बी.9280,वीवो मोबाइल, एक जोड़ी लकड़ी का चप्पल (खड़ाऊ) यू पी 64सी के,5464का नंबर प्लेट,पूजा पाठ में लाई जाने वाली माला को 12/12/2020/जप्त कर आशुतोष सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। पुलिस को फरार चल रहे आरोपी बाबाओं को सरगर्मी से तलाश थी,आधुनिक तकनीकी अपनाकर पुलिस ने मुख्य आरोपी संजय मिश्रा को मुंबई (महाराष्ट्र) गिरफ्तार कर बलरामपुर (छ.ग.) लाकर आरोपी से पूछताछ करने पर आरोपी संजय मिश्रा पिता बैद्यनाथ मिश्रा उम्र 38 वर्ष निवासी इटावरी थाना जवा जिला रीवा (म प) को गिरफ्तार कर जे एफ सी न्यायालय राजपुर में पेश कर रिमांड पर लिया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी जितेंद्र जायसवाल, सऊनि राफेल तिर्की,आर. अशोक गोयल, आर. सुखलाल सिंह का योगदान रहा।शंकरगढ़ पुलिस ने 5 वर्षों से फरार चल रहे लुट के आरोपी को किया गिरफ्तार।

छात्रा पर गंदी नियत रखने वाला हेडमास्टर गिरफ्तार,एफआईआर के बाद से था फरार

-संवाददाता-
बलरामपुर,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
जिले के वाड्रफनगर पुलिस चौकी क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है। जहां एक सरकारी स्कूल की 7 वीं कक्षा की नाबालिग छात्रा ने अपने स्कूल के प्रधान पाठक पर गलत तरीके से छूने (बैड टच) का गंभीर आरोप लगाया था। मामले की शिकायत मिलते ही पुलिस ने पॉक्सो एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया था। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था लेकिन पुलिस की सक्रियता और सतर्कता से आरोपी को अब आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार,छात्रा ने साहस दिखाते हुए ये बात अपने परिवार को बताई थी कि स्कूल में प्रधान पाठक ने उसके साथ गलत व्यवहार किया और ये बात जानकर परिजनों ने तुरंत इस मामले की शिकायत वाड्रफनगर पुलिस चौकी में की। पुलिस ने छात्रा का बयान दर्ज कराया, एफआईआर दर्ज होते ही आरोपी स्कूल प्रधान पाठक फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने लगातार प्रयास जारी रखे और आखिरकार उसको पकड़ने में सफलता मिली। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को पूछताछ के बाद न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता को लेकर पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। मामले की जांच बेहद संवेदनशीलता से की जा रही है।

बाड़ी में बिजली के करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से हुई खेत जा रहे युवक की मौत

पड़ोसी ने खेत के चारों ओर कर दिया था नंगे तार बिजली की सप्लाई,पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

-संवाददाता-
जशपुर,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
जिले के दुलदुला थाना क्षेत्र के कस्तूरा गांव में अपने धान की खेत की ओर जा रहे 26 साल के युवक असलम एक्का की पड़ोसी किसान के द्वारा बाड़ी के चारी ओर बिछाए गए करेंट प्रवाहित बिजली के तार की चपेट में आने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी खेत मालिक बलेरियम एक्का उम्र 53 वर्ष,निवासी खूंटीटोली, गिरजाबस्ती कस्तूरा के विरुद्ध बीएनएस की धारा 105 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार की जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बिजली तार को भी जप्त किया है। मृतक के पिता की रिपोर्ट पर दुलदुला पुलिस ने पूरे मामले की जांच में पाया कि,मृतक असलम एक्का के दोनों हाथ व सीने में करंट से जलने पर अत्यधिक काला निशान हो गया था,जो कि हाई वॉल्टेज करंट से ही हो सकता था, सोलर झटका मशीन से उतना करंट नहीं प्रवाहित हो सकता था। डॉक्टर की पीएम रिपोर्ट आने पर,रिपोर्ट में बताया गया कि मृतक की मृत्यु हाइवोल्टेज बिजली की करंट लगने से हुई है। जिससे पुलिस के सामने स्थिति स्पष्ट हो गई कि मृतक की मृत्यु बिजली करेंट लगने से हुई है,न कि सोलर झटका मशीन के करंट से। जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होने पर पुलिस के द्वारा मृतक के पिता,ग्रामीणों, गवाहों तथा घटना स्थल के खेत के मालिक आरोपी बलेरियम एक्का से बारीकी से पूछताछ करते हुए जांच विवेचना की जा रही थी। जांच विवेचना के दौरान पुलिस को पता चला कि, उक्त घटना दिनांक को आरोपी बलेरियम एक्का जो कि गांव का एक ग्रेजुएट व्यक्ति है, के द्वारा असावधानी पूर्वक यह जानते हुए कि उसके उक्त कृत्य से जान माल की हानि हो सकती है, फिर भी अपने खेत से लगभग 800 मीटर की दूरी पर स्थित बिजली के खंभे से, बिना बिजली विभाग के अनुमति के, तार जोडक़र,हाई वॉल्टेज करंट,अपने सब्जी बाड़ी खेत के चारों ओर घेरा गया।

अर्थात सोलर झटका करंट के नंगे तार में हाई वॉल्टेज करंट को प्रवाहित किया गया थाए जिसके चपेट में आने से मृतक असलम एक्का जो कि आरोपी के सब्जी बाड़ी के बगल में स्थित अपने खेत में जा रहा था, की करंट से झुलसकर मृत्यु हो गई।

दीपावली त्यौहार के मद्देनजर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की सघन कार्यवाही

मिठाई,दूध और खोवा में मिलावट की रोकथाम के लिए शुरू हुआ जांच अभियान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
दीपावली पर्व के मद्देनजर उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन,जिला सरगुजा द्वारा जिलेभर में मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। नियंत्रक,खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार एवं अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन में,सरगुजा जिले के अंतर्गत मिठाई दुकानों, डेयरी एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। दीपावली के दौरान खोवा,दूध एवं अन्य दुग्ध उत्पादों की बिक्री बढ़ने के कारण मिलावट की संभावना को ध्यान में रखते हुए यह अभियान विशेष सतर्कता के साथ संचालित किया जा रहा है। जिले में पदस्थ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा अंबिकापुर शहर के विभिन्न चौराहों एवं प्रमुख बाजार क्षेत्रों में दूध विक्रेताओं एवं डेयरी उत्पादों की जांच की जा रही है। बाहर से लाए जा रहे दूध एवं खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला,रायपुर भेजे जा रहे हैं। परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा नियम-विनियम 2011 के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विगत दिनों मेसर्स औरा ए. फूड लॉन्ज,अंबिकापुर से संकलित पनीर एवं मेसर्स मोहन भोग स्वीट्स एंड बेकर्स, जनपद पंचायत के पास से संकलित खोवा के नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर से प्राप्त रिपोर्ट में अवमानक स्तर के पाए गए हैं।

साइबर जागरुकता अभियान में छात्रों को दी गई डिजिटल सुरक्षा की अहम जानकारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सरगुजा रेंज साइबर थाना के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज में एक साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में किया गया,जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं,शिक्षकगण और समस्त स्टाफ सहित लगभग 300 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में समाजसेवी संस्था सक्षम के कोषाध्यक्ष एवं जन शिक्षण संस्थान के पूर्व निदेशक राजीव पाठक ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि आजकल होने वाले अधिकतर साइबर फ्रॉड मोबाइल और डिजिटल माध्यम से हो रहे हैं। फर्जी लिंक, ओटीपी शेयर करना, आधार या बैंक डिटेल डालना जैसे सामान्य लगने वाले कार्य भी बड़ी ठगी में बदल सकते हैं। उन्होंने छात्रों से ऐसे किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने,अनजान कॉल्स से सावधान रहने और अपनी निजी जानकारी साझा न करने की सलाह दी। इसके बाद रेंज साइबर थाना के सहायक उपनिरीक्षक मनोज उपाध्याय और प्रधान आरक्षक मिथलेस पाठक ने छात्रों को साइबर सुरक्षा से जुड़े तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी लत, आर्थिक नुकसान और मानसिक प्रभावों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि साइबर फ्रॉड की स्थिति में तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें और मोबाइल गुम होने की स्थिति में सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि सोशल मीडिया पर अपनी गोपनीय जानकारी साझा करने से बचें, मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें और कस्टमर केयर नंबर गूगल से खोजने की बजाय संस्थाओं की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त करें। साइबर बुलिंग, फिशिंग और स्टॉकिंग जैसे खतरों पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में महिला आरक्षक सुषमा पैकरा सहित साइबर थाना की टीम और कॉलेज के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

डॉक्टर रमन सिंह के नेतृत्व वाली 15 साल की भाजपा सरकार और विष्णु देव साय की अगुवाई वाली वर्तमान सरकार,अंतर साफ

15 सालों में मिला पक्ष विपक्ष सहित स्थानीय नेताओं को महत्व अब विपक्ष की बात दूर पक्ष के स्थानीय नेता भी उपेक्षित

- क्या वर्तमान विष्णुदेव सरकार इसी तरह आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का मार्ग तय करेगी?
- वर्तमान स्थिति बड़ी विचित्र,स्थानीय स्तर पर भाजपा नेताओं की नहीं है पूछ परख,सत्ता नाम की बताते हैं स्थानीय नेता
- डॉक्टर रमन सिंह के कार्यकाल में भूमिपूजन शिलान्यास पट्टिकाओं में पक्ष विपक्ष स्थानीय नेताओं का दिखता था नाम

-अविनाश राहगीर-

रायपुर/अंबिकापुर/कोरिया 15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

डॉक्टर रमन सिंह का हाल ही में जन्मदिवस था और उनके जन्मदिवस पर भाजपा नेताओं की तरफ से उनके लिए शुभकामनाओं के संदेश की बाढ़ भी देखी गई और उनकी लोकप्रियता समझ में भी आई कि वह लोकप्रिय तो थे भले ही उन्हें वर्तमान भाजपा शासन काल में मुख्यमंत्री का पद नहीं मिला उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया लेकिन उनके कार्यकाल में भाजपा में एक सुदृढ़ व्यवस्था आंतरिक और बाहरी थी जो उनकी लोकप्रियता का कारण थी और है भी,आज उनके जन्मदिवस पर लोगों ने उन्हें याद किया और इसी क्रम में एक ऐसी बात पुरानी याद आई जो उनकी लोकप्रियता के कारण को समझने के लिए कारगर कही जा सकती है वह यह कि 15 सालों के डॉक्टर रमन सिंह के कार्यकाल में प्रदेश में जो कुछ गतिविधियां सरकार और व्यवस्था के संचालन में नजर आती थीं वह अब विलोपित नजर आती है वह नदारद हो चुकी गतिविधियां हैं परंपरा है,डाक्टर रमन सिंह के 15 वर्षों के कार्यकाल में पक्ष विपक्ष सहित स्थानीय भाजपा नेताओं की भी पूछ परख विभिन्न आयोजनों में देखी जाती थी भले ही विपक्ष अपनी विपक्ष की भूमिका के कारण कई बार ऐसे मामलों को नजरअंदाज करता था और कई बार कई विषयों पर बहिष्कार या अस्वीकृति जाहिर करता था लेकिन उनकी पूछ परख होती थी उन्हें जिस भी भावना से याद किया जाता था यदि कोई शासकीय आयोजन हो या फिर कोई सार्वजनिक गैर दलीय आयोजन। विभिन्न भूमिपूजन कार्यक्रमों में लोकार्पण कार्यक्रमों में उद्घाटन कार्यक्रमों में राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सभी की पूछ परख नजर आती थी जो कई बार अमिट छाप के तौर पर दर्ज भी की जाती थी जिसे स्मरण स्वरूप संजोया भी जाता था। तब स्थानीय नेताओं में भी एक अलग उत्साह नजर आता था जो उन्हें ऊर्जावान बनाए रखता था जो अब या वर्तमान विष्णुदेव साय सरकार के कार्यकाल में नजर नहीं आता। वर्तमान भाजपा सरकार के कार्यकाल में भाजपाई ही उपेक्षित महसूस कर रहे हैं खुद को और हर तरफ केवल प्रशासनिक एक व्यवस्था लागू है जिसमें भाजपा के विधायक मंत्री तो कहीं न कहीं शामिल हैं वहीं स्थानीय नेताओं सहित विपक्ष को एक किनारे किए जाने का आभास नजर आ रहा है जो स्पष्ट परिलक्षित होता दिखता है। एक लोकार्पण पट्टिका पर इसी तरह नजर पड़ी तो यह विषय सामने आया जिसमें यह देखने को मिला जो डॉक्टर रमन सिंह के 15 वर्षीय शासनकाल के दौरान की लोकार्पण पट्टिका है जिसमें नजर आता है कि किस तरह तब लोकार्पण पट्टिकाओ में पक्ष के बड़े नेताओं,विपक्ष के स्थानीय निकायों के निर्वाचित नेताओं और पक्ष के ही स्थानीय कई जगह मनोनित नेताओं के नाम शुमार हैं जो बताता है कि 15 वर्षों के डॉक्टर रमन सिंह के कार्यकाल में और अब के विष्णु देव साय सरकार में क्या अंतर है। अब तो स्थानीय भाजपा नेता ही चीख चीखकर यह कहते सुने जा रहे हैं कि हमारी सुनवाई करो सरकार हमे उपेक्षा से दूर कर मेहनत की भरपाई करो सरकार। आज की स्थिति साफ बताती है कि सरकार सीमित होकर चल रही है और संचालन की जिम्मेदारी सीमित हाथों में है,आज विपक्ष जहां उपेक्षित है वहीं पक्ष के भी स्थानीय नेता सरकार से नहीं जुड़ पा रहे हैं,स्थानीय निकायों,जिला जनपदों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की हालत खस्ता है उनकी सुनवाई तो दूर उनकी पूछ परख भी चाय नाश्ते तक है,पूरी व्यवस्था प्रशासनिक जंजीरों में हैं जहां विरोध और बहिष्कार को नजरअंदाज किया जाना आम है। भाजपा के ही स्थानीय नेता कार्यकर्ता यह नहीं समझ पा रहे हैं कि उनकी सरकार है भी की नहीं प्रदेश में जिसकी पुनः सरकार में वापसी उनकी ही मंशा थी जिसके लिए उन्होंने मेहनत की थी।

15 सालों के डॉक्टर रमन सिंह के कार्यकाल में लोकप्रियता मामले में हमेशा लोकप्रिय रहे डॉक्टर रमन सिंह

15 सालों के डॉक्टर रमन सिंह के कार्यकाल की बात करें तो वह लगातार लोकप्रियता मामले में अव्वल ही थे,उन्हें पार्टी में लगातार पसंद किया जाता था जिसका कारण उनकी सत्ता संचालन का ढंग था उनकी निर्णय लेने की क्षमता का तरीका था,उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में यह स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी थी जब कोई पार्टी का नेता कार्यकर्ता उपेक्षित हुआ हो जिसे कभी यह दुख सता गया हो कि वह सत्ता में रहकर भी सत्ता से दूर खुद को समझता है,आज की स्थिति बिल्कुल विपरीत है,भाजपाई दो साल बीतने के बाद भी महसूस नहीं कर पा रहे हैं कि सरकार उनके दल की है वह सरकार के अंग हैं।

क्या राजनीति से अनुशासन हट गया है?

तब और अब में अंतर तो है और क्या राजनीति से अनुशासन खत्म हो गया है प्रदेश में यह भी सवाल खड़ा होता है,पक्ष के स्थानीय नेता उपेक्षित होकर थक हारकर अब घर में बैठ चुके हैं,विपक्ष के लिए विरोध प्रदर्शनों का ही मार्ग शेष बचा है कहीं पूछ परख नहीं है जो स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था अंतर्गत आवश्यक है,कुल मिलाकर क्या अब एकला चलो की नीति से ही सरकार चल रही है और जहां विपक्ष की भी उपस्थिति अस्वीकार है और पक्ष के स्थानीय नेता भी बहिष्कार के भागी बनने मजबुर हैं,जो कुछ नजर आ रहा है वह कम से कम यह बताने काफी है कि शासन सरकार में सुनवाई केवल सीमित स्थिति तक है,सभी की सहमति या उनकी स्वीकार्यता अस्वीकार्यता से कोई लेना देना कम से कम नहीं है।

पहले की राजनीति में और आज की राजनीति में जमीन आसमान का अंतर है-

लोकतांत्रिक व्यवस्था में पक्ष और विपक्ष की समान भूमिका मानी गई है,पक्ष को आईना दिखाने की जिम्मेदारी विपक्ष को दी गई है और साथ ही विपक्ष को भी मान सम्मान मिलता रहे यह जिम्मेदारी पक्ष के लिए बताई गई है लेकिन वर्तमान में प्रदेश में ऐसा नजर नहीं आता,पक्ष और विपक्ष आपस में काफी दूर हो चुके हैं,अब उनकी सुनवाई कम ही होती नजर आती है,पहले ऐसा नहीं था पहले राजनीति में यह देखने को मिलता था कि सभी परस्थितियों में पक्ष विपक्ष का आपसी संबंध सौहार्दपूर्ण हुआ करता था भले ही समर्थन विरोध के मामले कितने भी क्यों न सामने आते रहे हों।

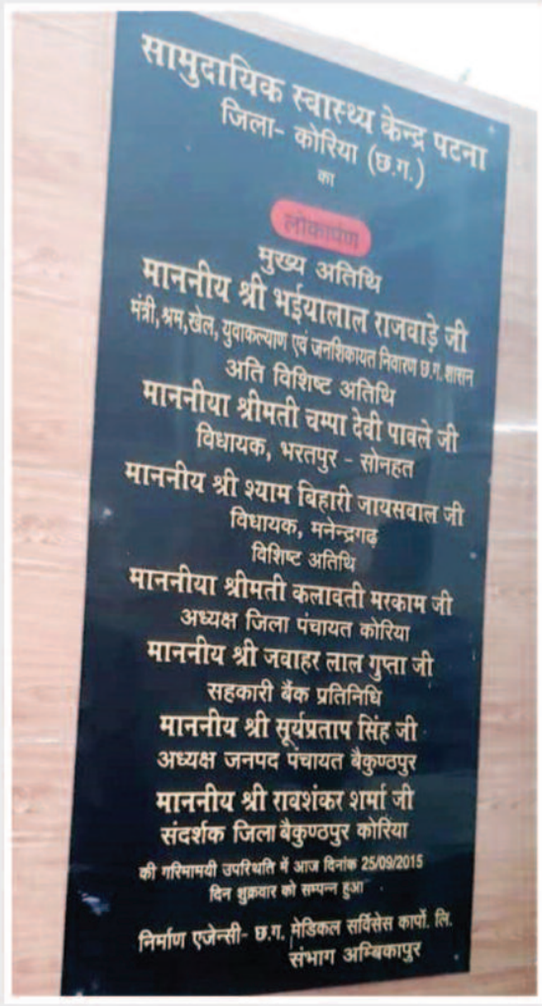

राजनीति में अब दूर दृष्टि खत्म और भ्रष्टाचार हावी...

वर्तमान राजनीति में भविष्य की चिंता और आगे की रणनीति लेकर काम होता नजर नहीं आता,अब दूर दृष्टि जैसा मामला खत्म हो चुका है राजनीति से यह समझ में आता है,अब भ्रष्टाचार का साम्राज्य है जिसमे मौन समर्थन नजर आता है सरकार का, हालिया घटनाक्रम यदि देखा जाए तो भ्रष्टाचार के मामलों में कभी सरकार गंभीरता नहीं प्रदर्शित करती है, भ्रष्टाचार के मामले नजरअंदाज किए जाते हैं जो बढ़ भी रहे हैं क्योंकि उन्हें एक तरह से खुली छूट है,अब भ्रष्टाचार का विरोध करना अपराध माना जा रहा है और ऐसा विरोध पक्ष करे या विपक्ष सभी हाशिए पर डाले जा रहे हैं। स्थानीय निकायों जनपद जिला पंचायतों में तो निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की सुनवाई ही बंद कर दी गई है वह अपने निर्वाचित कार्यक्षेत्र में कोई निर्णय नहीं ले सकते भ्रष्टाचार अधिकारियों का नहीं रोक सकते यह साफ देखा जा रहा है।

व्यापार समाचार

सितंबर में यात्री वाहनों की बिक्री चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रही : सियाम

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2025। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर महीने में सालाना आधार पर चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रही है। उद्योग संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि सितंबर में निर्माताओं से डीलरों तक यात्री वाहनों की शिपमेंट में सालाना आधार पर चार फीसदी की वृद्धि देखी गई। उद्योग निकाय ने कहा कि सितंबर में कुल 3,72,458 इकाइयां भेजी गईं,जबकि 2024 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 3,56,752 थी। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री 7 फीसदी वृद्धि के साथ 21,60,889 इकाई रही, जबकि सितंबर, 2024 में यह 20,25,993 इकाई रही थी। ये वृद्धि ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक संकेतक है, जो बढ़ती उपभोक्ता मांग और बाजार की मजबूती को दर्शाता है। सियाम ने कहा कि यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी ऑटोमोटिव उद्योग के मज़बूत प्रदर्शन को दर्शाती है, क्योंकि निर्माता चुनौतियों का सामना करने और बाजार में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने में लगे हुए हैं। ये आंकड़े उद्योग के भविष्य के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाते हैं।

देश का निर्यात सितंबर में 6.74 फीसदी बढ़कर हुआ 36.38 अरब डॉलर

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2025। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद सितंबर में देश का निर्यात 6.74 फीसदी बढ़कर 36.38 अरब डॉलर हो गया। आयात 16.6 फीसदी बढ़कर 68.53 अरब डॉलर रहा। इस दौरान व्यापार घाटा 32.1 अरब डॉलर रहा। सोना,चांदी,उर्वरक और इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात में इजाफा होने के कारण आयात में वृद्धि हुई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि भारत का निर्यात सितंबर में 6.74 फीसदी बढ़कर 36.38 अरब डॉलर रहा। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद निर्यात में वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार आयात 16.6 फीसदी बढ़कर 68.53 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान देश का व्यापार घाटा 32.1 अरब डॉलर रहा है। सोना,चांदी,उर्वरक और इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों के आयात में वृद्धि के कारण आयात बढ़ा है। मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही अप्रैल-सितंबर के दौरान निर्यात 3.02 फीसदी बढ़कर 220.12 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार इस दौरन आयात 4.53 फीसदी बढ़कर 375.11 अरब डॉलर रहा।

सेंसेक्स 575 अंक चढ़कर 82,605 पर बंद,निफ्टी में 178 अंक का उछाल

रियल्टी सेक्टर 3प्रतिशत चढ़ा,बैंकिंग-एफएमसीजी में भी तेजी रही

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2025। लगातार दो दिनों तक कमजोरी का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को मजबूती के साथ बंद हुआ। मंगलवार को कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। पहले 1 घंटे के कारोबार में बाजार में उतार-चढ़ाव होता रहा,लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। इस वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत और निफ्टी 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। माना जा रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का संकेत देने, इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स (इंडिया वीआईएक्स) में गिरावट आने,कच्चे तेल के भाव में नरमी आने, डॉलर की तुलना में रुपये के मजबूत होने और मजबूत ग्लोबल संकेतों की वजह से शेयर बाजार में मंगलवार को पूरे दिन उत्साह का माहौल बना रहा। दिनभर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में मंगलवार को सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, ऑटोमोबाइल,कैपिटल गुड्स,कंज्यूमर ड्युरेबल्स,एफएमसीजी,हेल्थकेयर,मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी

मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी मंगलवार को लगातार खरीदारी होती रही,जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ मंगलवार को कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 463.96 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.67 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को मंगलवार को कारोबार से करीब 4.29 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। मंगलवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,326 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,510 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,652 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 164 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में मंगलवार को 2,834 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,789 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,045 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 38 शेयर हरे निशान में और 12 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 167.27 अंक की मजबूती के साथ 82,197.25 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक पहले 15 मिनट में ही उछल कर 82,412.47 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में मामूली गिरावट आ गई। हालांकि पहले 1 घंटे का कारोबार पूरा होने के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे दोपहर 1 बजे के थोड़ी देर बाद सेंसेक्स 697.04 अंक उछल कर 82,727.02 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में दोबारा मामूली मुनाफा वसूली हुई,जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में थोड़ी गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 120 अंक फिसल कर 575.45 अंक की बढ़त के साथ 82,605.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 36.45 अंक की छलांग लगा कर 25,181.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 25,267.95 अंक तक पहुंच गया। हालांकि पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बनता हुआ नजर आया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट भी आई। पहले 1 घंटे का कारोबार पूरा होने के बाद खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू कर दी,जिससे दोपहर 1 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 219.65 अंक की मजबूती के साथ 25,365.15 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में एक बार फिर मुनाफा वसूली का दबाव बनता हुआ नजर आया, जिसके कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से 40 अंक से थोड़ा अधिक फिसल कर 178.05 अंक की तेजी के साथ 25,323.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज फाइनेंस 4 प्रतिशत, नेस्ले 3.90 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 3.20 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 2.46 प्रतिशत और एचडीएफसी लाइफ 2.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ मंगलवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाटा मोटर्स 1.16 प्रतिशत,बजाज ऑटो 1.15 प्रतिशत,इंफोसिस 1.04 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 0.61 प्रतिशत और एक्सिस बैंक 0.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ मंगलवार को टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

डॉलर की तुलना में मजबूत हुआ रुपया,72 पैसे की तेजी के साथ बंद हुई भारतीय मुद्रा

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2025। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट,अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का संकेत देने और डॉलर इंडेक्स की कमजोरी का असर मंगलवार को भारत के मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने सकारात्मक माहौल के कारण रुपया मंगलवार को डॉलर की तुलना में मजबूती के साथ बंद हुआ। भारतीय मुद्रा मंगलवार को डॉलर की तुलना में 72 पैसे उछल कर 88.08 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 88.80 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने मंगलवार को कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने मंगलवार को सुबह डॉलर के मुकाबले 54 पैसे की तेजी के साथ 88.26 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। मंगलवार को कारोबार शुरू होने के बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की

बिकवाली के कारण रुपया ओपनिंग लेवल से 13 पैसे कमजोर होकर 88.39 के स्तर तक गिर गया। इसके बाद भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रुपये को सहारा देने के लिए हस्तक्षेप करने की खबर ने मुद्रा बाजार को काफी प्रभावित किया। इस खबर की वजह से भारतीय मुद्रा 1.05 रुपये की मजबूती के साथ 87.75 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गई। हालांकि, बाद में रिजर्व बैंक की ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं होने पर रुपया इस स्तर से नीचे लुढ़कने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 72 पैसे की तेजी के साथ 88.08 के स्तर पर मंगलवार को कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के मंगलवार को कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी मजबूत प्रदर्शन किया। मंगलवार को कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 25.55 पैसे की तेजी के साथ 117.55 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया मंगलवार को 15.52 पैसे की बढ़त के साथ 102.44 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ।

CMYK

12 सालों से पुल टूटा,तेज बहाव के बीच नदी पार करना बनी मजबूरी

जान जोखिम में डाल कर रोज नदी पार करने मजबूर ग्रामीण यहां न विकास है,न ही कोई सुविधा,योजनाओं के क्रियान्वयन में पुल बना मुसीबत

बरसात भर होती है भारी परेशानी,बरसात बाद मिलती है थोड़ी राहत चेहरे बदले पर नही बदलती तस्वीर पुल के इंतज़ार में लाचार एवं बेबस हुए ग्राम के ग्रामीण

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। प्रदेश सरकार की ओर से नितप्रति दिन विकास के दावे किये जा रहे है। लेकिन इन सबसे दूर छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड में कई ऐसे ग्राम पंचायत भी हैं जहां विकास की बात करना बेमानी होगी। हालत है की राज्य बनने के बाद पांच सरकारें यहां पर मूल भूत सुविधा भी पहुचाने में असमर्थ रही है। जी हां आज हम बात कर रहे है सोनहत विकासखंड के ग्राम पंचायत चंदहा के ग्राम गिधेर की जहां ग्राम पंचायत मुख्यालय तक तो किसी तरह पक्की सड़क पहुचा दी गई लेकिन इस पंचायत के आश्रित ग्रामों का बुरा हाल है ग्राम पंचायत चन्दहा के आश्रित ग्राम गिधेर में लगभग 30 से अधिक परिवारों के गरीब आदिवासी ग्रामीण विगत लम्बे समय से मूलभूत सुविधा सडक,पानी ,चिकित्सा,शिक्षा के संचालित आधे अधूरे व्यवस्था से कुठित होकर अपने नियति को कोसने लगे है। हालत है कि पंचायत स्तर से ग्राम में बेहद उपयोगी व्यवस्थाओ का लम्बे समय से आभाव बना हुआ है जिससे यह ग्राम प्रशासनिक उपेक्षा का दंश झेल रहा है । ग्राम गिधेर तक पहुंच हेतु ग्राम में सडक का सर्वथा अभाव रहा है जो क्षेत्र स्तर पर संचालित विकास की लम्बी गाथा को स्वमेव बयान करता नजर आ रहा है। हलांकि दूर दराज के विभिन्न ग्रामों में पिछली सरकार में सडक पुल पुलिया से लेकर स्टापडैम आदि व्यापक तौर पर बनाऐ गये है। परन्तु गरीब आदिवासी परिवारों को पहुंच हेतु सुलभ मार्ग एवं नदी पर टूटी पुल का नही बन पाने का ग्रामजनों ने खेद जताया है। दूर दराज वनांचल ग्राम में स्वास्थ्य सुविधा हेतु मैदानी हल्का में तैनात विभागीय कर्मचारी द्वारा कभी कभार सेवा प्रदान किये जाने से ग्रामजनों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ नही मिल सका है।

बरसात में बढ़ जाती है लाचारी : ग्रामीण शिव प्रसाद सियाराम ईश्वर नन्द लाल राम मनोहर सुरेश कुमार मेही लाल बसंत व अन्य ने बताया कि नदी में पुल टूटा होने के कारण बरसात में ग्रामीणों का लाचारी बढ़ गई है आलम है कि नदी में तेज बहाव के कारण ग्रामीण गांव से बाहर नही जा पाते आपात कालीन परिस्थिति में स्थिति और भयावह हो जाती है, जबकि सामान्य दिनों में भी नदी को पार करने में भारी कठिनाई होती है। ऐसे में इसे लाचारी ही कहा जा सकता है। ग्रामीणो का पुल पूरी तरह टूट गया है मरम्मत योग्य नही है नए पुल का इंतज़ार बरसो से है लेकिन पता नही इंतज़ार कब खत्म होगा ग्रामीणों का यह भी कहना है कि अब आदत हो गई है लेकिन यह कष्ट सहन नही होता है।

राशन के अलावा निर्माण सामग्री पहुचाने में मशक्कत : ग्रामीण बताते है कि प्रधान मंत्री आवास अथवा अन्य निर्माण सामग्री पहुचाने में हालत खराब जो जाती है क्योंकि समान लेकर आने वाली गाड़ी घण्टो नदी में फस जाती है इसके बाद उसे निकालने में भारी मशक्कत करनी पड़ती है। इसी तरह घर का राशन कंधे पर ढो कर नदी पार करना पड़ता है कई बार राशन खराब भी हो जाता है।

देवतीडांड हर्राडी की भी यही कहानी : ग्राम पंचायत चंदहा के बगल के ही नवीन पँचायत नवाटोला के ग्राम देवतीडांड़ हर्राडी शेराडांड़ में पहुच मार्ग इस कदर जर्जर है की यहां पहुचना किसी खतरे से कम नही साथ इन ग्रामों में पेय जल व्यवस्था का बुरा हाल है ग्रामीण यहां पर ढोढ़ी और नाले का पानी पीने मजबूर हो गए है जिससे बच्चे अधिकांशतः बीमार पड़ते रहते है ग्राम स्तर पर कुछ हैंड पंप भी है जिनमें अधिकांशतः लाल पानी की समस्या बनी रहती है। उक्त दोनों ग्रामो में नदी पर पुल नही है और खराब रस्ते के बीच भीषण घाट भी है जिससे आने जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

कांटो में राशन के लिए लंबा सफर : ग्राम पंचायत चंदहा के बगल में स्थित पंचायत बंशीपुर का आश्रित ग्राम कांटो जो कि ब्लाक मुख्यालय से 70 और पंचायत मुख्यालय से लगभग 30 से 35 किलोमीटर की दूरी पर सघन वनों के बीच बसा है यहां पर लगभग 25 लोग निवासरत है यह पोलिंग बूथ भी है लेकिन यहां पर अभी तक स्कूल नही खुल सका है आंगनबाड़ी भी किराए के कच्चे मकान में संचालित है इस ग्राम के लोगों को राशन लेने के लिए पैदल 25 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है आना जाना मिलाकर लगभग 60 किलोमीटर की दूरी तय कर लोग कंधे पर राशन ढो का लाते है बरसात में यह ग्राम संपर्क बाहर होता है लेकिन अभी तक इस ग्राम में किसी भी प्रकार के विकास कार्य नही कराए जा सके है।

पूर्व विधायक पहुचे थे दी थी पुल की सौगात : ग्रामीण बताते है कि पूर्व विधायक गुलाब कमरो हर्रा डीह और देवतीडांड सहित कचोहर गांव में पहुचने वाले इकलौते विधायक है इससे पहले यहां कोई नही पहुचा था तब ग्रामीणों की मांग पर नवाटोला और देवतीदण्ड के बीच नदी में बड़ा पुल की घोषणा किये थे जो स्वीकृत हुआ और उसका काम भी चल रहा है इस पुल के बनने से काफी राहत मिलेगी ग्रामीणों की माने तो पुर्व विधायक ने मांग के अनुरूप अन्य और विकास कार्य कराए लेकिन मुख्य समस्या सड़क की है। वर्तमान में हर्रा डीह में अभी एक और पुल की जरूरत है जबकि गिधेर के टूटे पुल की जगह नया पुल निर्माण जबतक नही होगा तब तक ग्रामीणों की परेशानी बनी रहेगी।

गिधेर पुल निर्माण की उठाएंगे आवाज : पुष्पेंद्र

कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े गिधेर पहुचे जहां उन्होंने ग्रामीणों से मिल कर उनका हाल जाना, पुष्पेंद्र ने राशन पेंशन सहित लोगो के स्वास्थ्य की जानकारी भी लिया साथ ग्रामीणों की समस्याएं भी पूछी। पुष्पेंद्र राजवाड़े ने बताया कि ग्रामीणों की समस्याओं को प्रशासन को अवगत करा के निराकरण कराया जाएगा साथ ही पुल निर्माण की मांग के लिए वो आवाज उठाएंगे।

क्या कहते हैं लोग

गिधेर ग्राम में लगभग 12 साल से पुलिया टूटी हुई है ग्राम वासियों को बहुत परेशानी है,यहां न कोई अधिकारी आते न ही कोई जन प्रतिनिधि,सरकार से मांग है कि जल्द नया पुल बनवाएं ताकि आवागमन हो सके।
नंदकिशोर ग्रामीण गिधेर

पिछली सरकार में कचोहर और देवतीडांड मार्ग में पुल स्वीकृत हुआ था काम भी चालू है,गिधेर में पुल निर्माण के लिए अभियान चला कर माग किया जाएगा।
अनित दुबे कांग्रेस नेता

गिधेर में पुल निर्माण की मांग के सबन्ध में मैंने भाजपा जिलाध्यक्ष को अवगत कराया है,विधायक महोदया एवं प्रभारी मंत्री से इसके लिए मांग करूँगा
समय लाल कमलवंशी भाजपा नेता

गिधेर में पुल निर्माण हेतु मैंने सांसद महोदया को पत्र लिखा है,यहां पर नवीन पुल की अति आवश्यकता है, इसके लिए जिला प्रशासन को भी मांग पत्र सौपेंगे
ज्योत्स्ना राजवाड़े पूर्व जिला पंचायत सदस्य

शासकीय हाई स्कूल कोट में किया गया निःशुल्क सायकल का वितरण

-संवाददाता-

सूरजपुर,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय हाई स्कूल कोट में बुधवार को सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेमनगर विधायक माननीय भूलन सिंह मरावी,विधायक प्रतिनिधि श्री संत साहू,युवा आयोग के सदस्य श्री विजय राजवाड़े,भाजपा मण्डल अध्यक्ष देवनगर श्री अनिल साहू, भाजपा महिला नेत्री श्रीमती आशा साहू,सरपंच प्रतिनिधि श्री जगनारायण सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के छाया चित्र पर दीप प्रवजल्कन कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान माननीय विधायक भूलन सिंह मरावी ने छात्राओं को साइकिल वितरित करते हुए कहा कि सरकार की यह योजना बेटियों को शिक्षा की राह में आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। यह साइकिल केवल एक साधन नहीं,बल्कि उनके सपनों की सवारी है, जो उन्हें नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी। उन्होंने विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए छात्र/छात्राओं को बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत अंक लाने पर पच्चीस हजार रूपये नगद व विद्यालय के रख रखाव हेतु विधायक मद से दो लाख रूपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे इस अवसर का पूरा लाभ उठाएँ और निरंतर परिश्रम से अपने जीवन में नई दिशा स्थापित करें। ग्राम की एक बच्ची जिनके माता-पिता दोनों नहीं है,आर्थिक स्थिति ठीक न होने से शिक्षा के मुख्य धारा से वंचित हो जा रही थी लेकिन प्राचार्य महेश कुमार दोहरे व व्याख्याता चांसी प्रसाद कुशवाहा के द्वारा बच्ची को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने का बीड़ा उठाया गया। माननीय विधायक महोदय ने आने स्वेच्छा अनुदान मद से बच्ची पार्वती को बीस हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की जिससे कि बच्ची को शिक्षा प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हों।प्राचार्य महेश कुमार दोहरे ने कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं अभिभावकों और छात्राओं को शिक्षा के महत्व को बताते हुए आपसी सामंजस्य , एक दूसरे का सहयोग कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर कार्य करने की बात कही। विद्यालय परिसर में छात्राओं को साइकिल मिलते ही उनके चेहरों पर खुशी झलक उठी। विधायक प्रतिनिधि संत साहू,युवा आयोग के सदस्य विजय राजवाड़े, मण्डल अध्यक्ष अनिल साहू ने अपने उदबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि कोई भी विद्यार्थी केवल साधन के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः. 202510020700030

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः-2025-26

ईश्तहार

फुन्दुरडिहारी प.ह.न. 00016 (हे0)
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार -रेणु विश्वकर्मा,
अनावेदक पक्षकार -छ0ग0शासन

आवेदक रेणु विश्वकर्मा पत्नी स्व0 विकास कुमार विश्वकर्मा व अन्य, निवासी ग्राम गांधीनगर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ. ग.) के द्वारा पति स्व0 विकास कुमार विश्वकर्मा जो उत्तर प्रदेश पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड, ओबरा सोनभद्र, जिला सोनभद्र, उत्तर प्रदेश में जुनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे, जिसकी मृत्यु सेवाकाल के दौरान दिनांक 29.05.2025 को हो जाने के कारण उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान् अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जो जाँच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

(सील) **उमेश्वर सिंह बाज**
तहसीलदार,अंबिकापुर

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ स) संभाग-सूरजपुर,छ0ग0
निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

क्रमांक-3873/एन.आई.टी.-07/2025-26/व.ले.लि.दिनांक-09.10.2025
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 22.10.2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30.10.2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
खोलने की तिथि 31.10.2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एन.आई.टी. क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)/ अमानत राशि (रू.में) /बैंक साल्वेंसी (रू.में) कार्य पूर्णता हेतू अवधि
7 T0055	परिवार न्यायालय भवन सूरजपुर मध्यस्थता कक्ष, विडियो कान्फ्रेसिंग कक्ष एव शौचालय मरम्मत कार्य ।	5.88/4410.00अ/ 88.00.00(02माह वर्षा ऋतु सहित)
7 T0056	पॉलिटेक्निक हॉस्टल सूरजपुर में वाटर प्रूफिंग, एफ टाईप क्वार्टर में रिपेयरिंग एंड रंगाई-पोताई बाउण्ड्रीवॉल में व्हाईट वाशिंग एवं नाली निर्माण कार्य ।	9.96/7470/14940. 00(02 माह वर्षा ऋतु सहित)

नियम व शर्ते :-

ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी 'द' से 'अ' में पंजीकृत ठेकेदार निविदा में भाग ले सकेंगे, निविदा प्रपत्र की कीमत 750.00 प्रति निविदा फार्म है, निविदा संबंधी अन्य शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभागीय संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालनअभियंता
लोक निर्माण विभाग भ/स
संभाग सूरजपुर

जी नंबर-252604170/3

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग
सरगुजा वनमण्डल,अम्बिकापुर
निलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि सरगुजा वनमण्डल, के अधीनस्थ काष्ठागार अम्बिकापुर, में भण्डारित ईमारती काष्ठ का दर्शित तिथि एवं समय में ई-ऑक्शन किया जावेगा। इच्छुक व्यापारियों एवं अन्य क्रेताओं से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन से संबंधित शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय/काष्ठागार अम्बिकापुर से प्राप्त की जा सकती है।

काष्ठागार अम्बिकापुर
नीलाम दिनांक-28/10/2025 समय- प्रातः 09.00 बजे से

प्रजाति	नया वनोपज		पुराना वनोपज		योग वनोपज	
	लट्ठा	बल्ली	लट्ठा	बल्ली	लट्ठा	बल्ली
	(घ.मी.)	(नग)	(घ.मी.)	(नग)	(घ.मी.)	(नग)
सागौन	0.000	0	114.612	3335	114.612	3335
साल	170.126	25	4223.466	2953	4393.592	2978
साजा	0.000	0	46.607	176	46.607	176
तिंसा	0.000	0	0.146	0	0	0
खम्हार	0.000	0	74.516	516	74.516	516
धावड़ा	0.000	0	66.356	19	66.356	19
सलैया	0.000	0	58.633	39	58.633	39
हल्दू	8.594	0	10.899	0	19.493	0
अन्य	36.316	25	759.202	1530	795.518	1555
योगः-	215.036	50	5354.437	8568	5569.327	8618
जलाऊ	0		2828 चट्टा		2828 चट्टा	

टीप -1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है ।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग इन करके देख सकते हैं।
4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 20 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमण्डलाधिकारी
सरगुजा वनमण्ल
अम्बिकापुर,छ.ग.

जी नंबर-252604111/3

हर दिन हर घर आयुर्वेद संगोष्ठी कार्यक्रम चांदनी बिहारपुर में हुआ संपन्न

-संवाददाता-

सूरजपुर,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर हर दिन हर घर आयुर्वेद विशेष सप्ताह के अंतर्गत शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी, बिहारपुर में बुधवार 15 अक्टूबर 2025 को आयुर्वेद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन आयुष्मान आरोग्य मंदिर, शासकीय आयुर्वेद औषधालय,बिहारपुर चांदनी (जिला सूरजपुर) द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि एवं मां सरस्वती की वंदना से हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी और रासेयो कार्यक्रम अधिकारी धीरेन्द्र कुमार जायसवाल ने की तथा मंच संचालन फार्मासिस्ट श्री योगेश पटेल ने किया। डॉ. आशीष कुमार शर्मा,आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी ने समग्र स्वास्थ्य हेतु आयुर्वेद का महत्व विषय पर पावर पॉइंट प्रस्तुति दी। उन्होंने आयुर्वेद के सिद्धांतों, रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं जीवनशैली सुधार की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. उपेन्द्र सिंह, होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी ने माइंड, बॉडी और सोल के समन्वय से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य लाभ विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर
निविदा आमंत्रण तिथि-11.10.2025
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग- स.क्र. 1 से 2 जशपुर, स.क्र. 3.4 रामानुजगंज एवं स.क्र. 5,6 मनेन्द्रगढ संभाग
03. स.क्र. 1,2 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार, स.क्र. 3 से 6 - 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि- -03.11.2025

सरल क्र	एन.आई.टी क्र.	कार्य का नाम	(अनुमानित लागत लाख में)
1	2	3	4
1	199	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 2 जशपुर के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में रोड सेफ्टी एवं विशेष मरम्मत का कार्य (1) रोड सटी अंतर्गत जशपुर आस्ता कुसमी मार्ग के कि.मी 1578 ए 4010 में दोवाल का निर्माण कार्य (2) मोड सेफ्टी अंतर्गत खोखसो बेजोरा सुखी माया मार्ग के लंबाई 734 कि.मी. के. कि.मी. 1/4 एवं 2/2 में टोबाल का निर्माण कार्य (3) रोड सेफ्टी अंतर्गत टेम्पू से कैराकाना मार्ग के कि.मी. 1/8 में टोवाल का निर्माण कार्य (4) रोड सेफ्टी अंतर्गत जशपुर सन्ना मार्ग के कि.मी. 33/10,464,46/647/68 एवं 47 / 10 में टोवाल का निर्माण कार्य (5) रेस्ट हाउस सन्ना से थाना सन्ना चिनेज 0 से 170 मीटर) में सी.सी रोड का विशेष मरम्मत कार्य। (6) रेस्ट हाउस सन्ना से थाना सन्ना (चैनेज 171 से 340 मीटर) 170 मीटर में सी.सी. रोड का विशेष मरम्मत कार्य (7) रेस्ट हाउस सन्ना से थाना सन्ना लंबाई 245 मीटर में सी.सी रोड का विशेष मरम्मत कार्य **(प्रथम आमंत्रण)**	72.35
2	200	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बगीचा एवं कुनकुरी के अंतर्गत विभिन्न भागों में विशेष मरम्मत का कार्य (1) घुघरी मरील दादर अम्बा मार्ग के कि.मी. 10/4 में बाढ से क्षति क कारण इम्बकमेट एवं सी सी रोड का विशेष मरम्मत कार्य (2) घुघरी मरोल दोहरअस्था मार्ग के कि.मी. 10/4 में बाढ से क्षति के कारण टो वाल का विशेष मरम्मत कार्य (3) सन्ना चम्पा मार्ग के कि.मी. 15/8 चम्पा साईड में बाढ़ से क्षति के कारण रिटेनिंगवाल का विशेष मरम्मत कार्य (4) सन्ना चम्पा मार्ग के किमी 15 / 8 सन्ना साईड में बाढ से अति के कारण स्टिनिवाल का विशेष मरम्मत कार्य (5) चम्पा इचोली मार्ग के कि.मी. 12-4-6-8 दीवाल का विशेष मरम्मत कार्य (6) बगीचा रंगले बेतरा मार्ग के कि.मी. 2/8 का विशेष मरम्मत कार्य। (7) सिंगबहार कछुआकानी मार्ग के कि.मी. 2 / 10 में 150 नीटर स्लेब कलवट का विशेष मरम्मत का कार्य **(प्रथम आमंत्रण)**	61.66
3	201	संभाग रामानुजगंज अंतर्गत विभिन्न मार्गो / पुल पुलियों का विशेष मरम्मत, एफ डी आर एवं रोड सेपटी का काय (1) कुसमी आस्ता जशपुर मार्ग के कि.मी. 3 / 2 में स्थित पाईप पुलिया (बेन्टेड काजवे) का एप्रोन मरम्मत का कार्य (2) कुसमी आस्ता जशपुर मार्ग के कि.मी. 3/2 स्थित पाईप पुलिया (वेन्टेड काजये) का पहुंच मार्ग मरम्मत काम। (3) बलरामपुर चादों सामरी मार्ग के कि.मी. 53/6 में मार्ग कटाव को रोकने हेतु रिटेनिंग वाल का निर्माण कार्य (4) दुर्गापुर चीता मार्ग के कि.मी. 5/10 में मार्ग कटाव को रोकने हेतु रिटेनिंग पाल का निर्माण कार्य (5) बलरामपुर दहेजवार मार्ग के कि.मी. 2/6 लंबाई 100 मीटर में सी.सी. रोड का निर्माण कार्य (6) कामेश्वरनगर रामचन्द्रपुर लुरंगी मार्ग के कि.मी. 27/10 लंबाई 100 मीटर में सी सी रोड का निर्माण कार्य (7) डिण्डो विमलापुर नावाडीह मार्ग के कि.मी. 18/2 लंबाई 100 मीटर में सी सी रोड का निर्माण कार्य। (8) चलगली आरागाही मार्ग के कि.मी. 5/4.14/2 एवं 16 / 10 में टोवाल / प्रोटेक्शन का (9) डण्डा विमलापुर मावाडीह मार्ग के कि.मी. 3/4,13/4 एवं 17 /2 में टी-चाल प्राशन का कार्य। (10) कामेश्वरनगर रामचन्द्रपुर लुरगी मार्ग के कि.मी. 10/ 10.25/10 एवं 30/4 में दो-चाल / प्रोटेक्शन का कार्य (11) रामानुजगंज नगर किमी. 3/10,12/1015/2 में बाढ़ से क्षतिग्रस्त रिटेनिंग बाल का निर्माण कार्य (12) चा भगवानपुर चलगली मार्ग (ग्रामीण मार्ग) के कि.मी. 17 / 10 में रिटेनिंग वाल का निर्माण कार्य (13) धन्धा भगवानपुर चलगली मार्ग (ग्रामीण मार्ग) के कि मी. 19/6 एवं 198 में रिटेनिंग वाल का निर्माण कार्य **(प्रथम आमंत्रण)**	177.95
4	202	उपसंभाग वाड्रफनगर अंतर्गत विभिन्न मागका विशेष मरम्मत, एफ डी आर एवं रोड सेपटी का कार्य (1) प्रतापपुर सेमरसोत मार्ग (राज्य मार्ग-12) के कि.मी. 34 / 2 लंबाई 65 मीटर म रिटेनिंग वाल का निर्माण कार्य (2) प्रतापपुर सेमरसोत मार्ग (राज्य मार्ग-12) के कि.मी. 34/ 2 लाई 75 मीटर किमी. 35/ 2 लंबाई 60 मीटर कि.मी. 31/10 से 30 मीटर रिटेनिंग वाल एवं किमी 20 / 6 लंबाई 30 मीटर ने आर.सी.सी. नाली का निर्माण कार्य अस्विकापुर वाराणसी मार्ग कि. मी. (राज्य मार्गी क 104/2-4 106 2100/4 67/4672675/477/4-6 कुल 580.00 मीटर एवं 71074107/61078 एवं 107/10 में पी.सी.सी पेव्ड शोल्डर का कार्य एवं कि.मी. 193/ 10.96/297/ 8102/4 एवं 100/5 में फंसवाल एवं 107 / 8,106 / 2 में आर. सी. सी. गाई वाल एड किमी 107 / 8 में स्टील रेलिंग का कार्य (4) अम्बिकापुर धनवार वाराणसी (राज्य मार्ग 2) मार्ग के कि.मी. 78/6 एवं 75/8 में क्रश बैरियर का कार्य। (5) अम्बिकापुर धनवार वाराणसी (राज्य मार्ग) मार्ग के कि.मी. 65 / 8-10 कुल 230.00 मीटर में गार्ड बाल का कार्य (6) रघुनाथपुर से लगड़ी (ग्रामीण मार्ग) के कि.मी. 1/6 एवं 2/2 में रोड सेपटी एवं रेस्टोरेशन का कार्य। (7) शारदापुर विरेन्द्रनगर मार्ग (ग्रामीण मार्ग) के कि.मी. 10/10 एवं 12/6 में रोड सेपटी एवं रेनोवेशन का कार्य **(प्रथम आमंत्रण)**	184.73
5	203	उपसंभाग बैकुण्ठपुर अंतर्गत विभिन्न मार्गो में रोड सेपटी / एस. आर. / एफ डी आर कार्य (1) खरवत से आनी (गागीण मार्ग को लंबाई 4.00 कि.मी.) और सारा से अमरपुर (ग्रामीण सड़क की लंबाई 185 कि.मी.) तक रोड सेफ्टी (पेव्ड शोल्डर) लंबाई 3.40 कि.मी. (3) पटना से भैयाथान रोड (राज्य मार्ग 12) की रोड सेपटी (पेव्हड शोल्डर) लंबाई 10.40 कि सी (4) माती कुडेली पटना रोड (मुख्य ग्रामीण मार्ग) की रिटेनिंग बाल लंबाई 22-60 कि.मी. (5) पटना झूमरपार रोड की रोड सेफ्टी) (पेव्ड शोल्डर) लंबाई 1.40 कि.मी. (6) राष्टीय राजमार्ग 43 से घना बस्ती रोड (ग्रामीण मार्ग) तक रोड सेफ्टी (पेव्हड शोल्डर) लबाई 14 कि.मी. (7) अमरपुर चिरमिरी रोड (ग्रामीण मार्ग) की पेव्हल शोल्डर और रिटनिंग बाल लबाई 12.00 कि.मी) **(प्रथम आमंत्रण)**	192.90
6	204	उपसंभाग जनकपुर अंतर्गत विभिन्न मार्गों में रोड सेपटी / एस. आर. / एफ डी आर कार्य (1) महेन्द्रगढ़ केल्हारी जनकपुर रोड कि.मी 47 / 8 प्रोटेक्शन बाल (2) मनेन्द्रगढ़, केल्हारी जनकपुर रोड कि.मी. 58/10 प्रोटक्शन वाल (3) मनेन्द्रगढ़ कैल्हारी जनकपुर भार्ग के कि मी 111 / 10/1134 प्रोटेक्शन वाल (4) जनकपुर से कोटाडोल रोड कि.मी. 5/4.25/8 प्रोटेक्शन चाल (5) मनेन्द्रगढ़ केल्हारी जनकपुर मार्ग कि.मी. 66/4 एल / एस. प्रोटेक्शन वाल (श्व) मनेन्द्रगढ़ कलहारी जनकपुर मार्ग किमी. 66/4 आर / एस प्रोटेक्शन वाल (7) बिहारपुर बदरा सोनहत रोड एम.डी. आर. कि.मी. 5/6-10 घाट चौड़ीकरण, सेफ्टी वाल एवं सी सी शोल्डर (8) भैसवार बदरा मार्ग विशेष मरम्मत कार्य (9) मनेन्द्रगढ़ केल्हारी जनकपुर मार्ग कि.मी. 1/2-2*30, 1/4-2*30 3/21*80 3/8-120, 5/2-1-30, 6/2- 1 100, 6/10-1-40, 8/2-1 50, 8/4-1*80, 7/2-2*30, 9/8-1*50, 10/2-1 80, 10/8 140, 11/4-2 30. 11/10-2 50, 12/2-1-40, 13/6-1*70, 14/4-1 135, 15/2- 2-50, 15/10-150 16/4-1*50 = 13.25 कि.मी. (10) मनेन्द्रगढ़ केल्हारी जनकपुर मार्ग कि.मी. 17/8-1 100 18/6-1 50, 18/8-1 50, 19/2-1*100, 19/4-1 100. 19/6-1-40, 19/8-1-40, 21/8-1-80, 22/2-1 50, 23/4-1 100, 23/6-1 50,23/8- 180, 24/6-1-40 26/2-140, 25/6-1-100, 26/10-180, 27/2-1 70, 27/4- 150, 27/8-1*50 27/10155 13.25 कि.मी. **(प्रथम आमंत्रण)**	155.03

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर

जी नंबर-252604152/2

जिले को मिला मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का कोटा श्रद्धालुओं को मिलेगा मथुरा-वृंदावन दर्शन का सौभाग्य

-संवाददाता-
एमसीबी,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था एवं सांस्कृतिक भावना को सम्मान देते हुए निरंतर रूप से संचालित मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के लिए भी एक नया अवसर प्राप्त हुआ है। इस योजना के तहत जिले के 10 पात्र तीर्थयात्रियों का चयन किया गया है जिन्हें आगामी 20 नवम्बर से 23 नवम्बर 2025 तक पवित्र स्थल मथुरा,वृंदावन और श्रीकृष्ण जन्मभूमि की धार्मिक यात्रा का सौभाग्य प्राप्त होगा। शासन द्वारा की जा रही यह पहल न केवल वरिष्ठ नागरिकों की धार्मिक आकांक्षा को पूरा करने की दिशा में एक कदम है बल्कि यह समाज के उन वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशीलता का प्रतीक भी है,जो आर्थिक अभाव या सामाजिक परिस्थिति के कारण तीर्थ यात्रा करने में असमर्थ रहते हैं। इस योजना का लाभ विशेष रूप से उन वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं को दिया जाएगा जो 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के हैं तथा शारीरिक और मानसिक रूप से तीर्थ यात्रा के योग्य हैं। इच्छुक पात्र जन अपने आवेदन पत्र निर्धारित

प्रपत्र में 05 नवम्बर 2025 तक अपने क्षेत्र के जनपद पंचायत या नगरीय निकाय कार्यालय में जमा कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं समानता सुनिश्चित करने हेतु शासन ने स्पष्ट प्रावधान किए हैं। योजना में 80 प्रतिशत लाभार्थी बी.पी.एल., अन्त्योदय एवं मुख्यमंत्री खाद्य योजना कार्ड धारक होंगे, जबकि 20 प्रतिशत लाभार्थी गरीबी रेखा से ऊपर के वे नागरिक होंगे जो आयकरदाता नहीं हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के हितग्राहियों के संतुलित प्रतिनिधित्व हेतु यह भी निर्धारित किया गया है कि 75 प्रतिशत तीर्थयात्री ग्रामीण क्षेत्र से तथा 25 प्रतिशत तीर्थयात्री शहरी क्षेत्र से चयनित किए जाएंगे। यह प्रावधान न केवल संतुलन बनाए रखने के लिए बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी किया गया है कि राज्य के हर हिस्से से पात्र नागरिकों को इस योजना का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का मूल उद्देश्य ऐसे वरिष्ठ नागरिकों एवं पात्र लाभार्थियों को तीर्थ स्थलों के दर्शन का अवसर देना है जो जीवन के इस पड़ाव में आर्थिक या शारीरिक सीमाओं के कारण स्वयं यह यात्रा नहीं कर सकते। इस योजना के तहत तीर्थयात्रा का पूरा खर्च-जैसे यात्रा, आवास, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं राज्य शासन द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। इस वर्ष तीर्थयात्रा का गंतव्य मथुरा, वृंदावन और श्रीकृष्ण जन्मभूमि तय किया गया है, जो भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण और श्रद्धेय स्थल हैं। यहां भगवान श्रीकृष्ण के बाल्यकाल,लीला एवं भक्ति की अनगिनत स्मृतियाँ आज भी लोगों की श्रद्धा का केंद्र हैं।

ऐसे में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नागरिकों को इस यात्रा का अवसर मिलना न केवल एक धार्मिक अनुभव होगा बल्कि यह आध्यात्मिक शांति और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक भी बनेगा। इस योजना से जुड़े सभी प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी जिला समाज कल्याण विभाग मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर को सौंपी गई है।

इच्छुक लाभार्थी योजना की शर्तें, आवेदन प्रक्रिया तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी के लिए अपने क्षेत्र के जनपद पंचायत,नगर पालिका या जिला समाज कल्याण कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष ने समाज प्रमुखों से की मुलाकात

पिछड़ा वर्ग के समग्र विकास पर दिया जोर, शिक्षा, रोजगार, सामुदायिक भवन आवश्यकता व आरक्षण जैसे मुद्दों पर हुई चर्चा

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष श्री आर.एस. विश्वकर्मा ने आज विभिन्न पिछड़ा वर्ग के समाजों के प्रमुखों से मुलाकात कर समाज की समस्याओं, कल्याणकारी योजनाओं और विकास के उपायों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर आयोग के सदस्यगण भी उपस्थित रहे। अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा ने समाज प्रतिनिधियों से सामुदायिक भवन, बच्चों की शिक्षा के स्तर एवं समाज द्वारा विद्यार्थियों के कल्याण की दिशा में किए जा रहे उपायों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अन्य समाजों द्वारा किए जा रहे अच्छे पहल से सीख लेकर पिछड़ा वर्ग को भी अपने आर्थिक और सामाजिक उन्नयन की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग को विकसित समाज बनाने के लिए सभी को मिलजुलकर, समग्र दृष्टिकोण से कार्य करना होगा। इसके लिए सामूहिक योजना बनाकर यह तय किया जाए कि किन-किन क्षेत्रों में पिछड़ा वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए योजनाएं चलाई जा सकती हैं।

अध्यक्ष ने कहा...हमें अपनी मानसिकता में परिवर्तन लाना होगा। राज्य के बाहर के लोग यहां आकर व्यवसाय कर रहे हैं, जबकि हमारे समाज के लोग संसाधनों के बावजूद पिछड़े हैं। हमें अपने संसाधनों का उपयोग कर आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने कृषि,पशुपालन,उद्यमिता एवं कौशल विकास से जुड़ी योजनाओं–जैसे पीएम विश्वकर्मा योजना– के बारे में समाज के लोगों को अधिक से अधिक जानकारी देने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि निचले तबके के लोगों तक योजनाओं की जानकारी ठीक से नहीं पहुंच पाती,जिससे वे जागरूक नहीं हो पाते। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से योजनाओं की जानकारी वर्ग के लोगों को ली जानी चाहिए। उन्होंने विभिन्न समाज संगठनों के लिए वर्कशॉप और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी जिले के अधिकारियों को दिए, ताकि युवाओं और हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी दी जा सके। इस दौरान बैठक में विभिन्न समाज प्रमुखों ने भी अपनी मांगें रखीं। कुशवाहा समाज के प्रतिनिधि सुनिल कुमार कुशवाहा ने समाज के युवाओं के उन्नयन की आवश्यकता पर बल देते हुए जिला स्तरीय सामुदायिक भवन की मांग की। सर्व यादव समाज के प्रतिनिधियों ने ओबीसी आरक्षण को लेकर अपनी बात रखी और गौधाम योजना में यादव समाज को प्राथमिकता देने की मांग की। नाई (सेन) समाज के प्रतिनिधि नरेंद्र ठाकुर एवं बसंत लाल ठाकुर ने कौशल विकास हेतु वर्कशॉप और प्रशिक्षण केंद्र खोलने की मांग की। कुम्हार समाज के प्रतिनिधि दिनेश कुमार प्रजापति ने भी समाज की समस्याएं रखते हुए योजनाओं से अधिक लाभ दिलाने का आग्रह किया। कई समाज प्रतिनिधियों ने पीएससी और व्यापम परीक्षा केंद्र जिले में स्थापित करने की मांग की, ताकि विद्यार्थियों को परीक्षा देने में सुविधा हो। समाज प्रमुखों द्वारा छात्रावास की स्थापना और पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए अधिक छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई। अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा ने सभी समाजों की बातों को गंभीरता से सुना और कहा कि आयोग स्तर पर इन मांगों को शासन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग का उत्थान तभी संभव है जब समाज के लोग एकजुट होकर अपने विकास की दिशा स्वयं तय करें।

पुलिस जवानों ने सीखा जीवन रक्षक उपायः सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार पूरे देश में मनाए जा रहे सीपीआर जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत जिला सूरजपुर में आज विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रेडक्रॉस सोसायटी सूरजपुर के अध्यक्ष एवं कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सह सचिव, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, चेयरमैन, वाइस चेयरमैन एवं समस्त सदस्यों के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभा कक्ष में सभी पुलिस जवानों को सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का संचालन डॉ. शुभम सिंह एवं डॉ. पारुल द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सकों ने जवानों को सीपीआर की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी दी तथा प्रैक्टिकल डेमो के माध्यम से प्रत्येक जवान को सीपीआर देने की विधि सिखाई। उन्होंने बताया कि हार्ट अटैक के प्रमुख कारण क्या होते हैं, किन लक्षणों से इसे पहचाना जा सकता है तथा समय पर सीपीआर देकर किसी व्यक्ति का जीवन कैसे बचाया जा सकता है। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों और सुरक्षा बलों को हृदयाघात जैसी आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित प्राथमिक उपचार देने के लिए प्रशिक्षित करना था, ताकि संकट की घड़ी में जीवन बचाया जा सके। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला संगठक संदीप गुप्ता, पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्य उपस्थित रहे।

जिले में दलहन-तिलहन के क्षेत्र में उछाल,धान के रकबे में कमी

किसानों में बढ़ा भरोसा-अब धान के साथ दलहन, तिलहन फसलों की ओर रुझान

-संवाददाता-
कोरिया,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में विगत वर्ष धान की बंपर पैदावार के बावजूद अब किसानों में पारंपरिक फसलों के साथ अन्य फसलों की ओर रुझान बढ़ने लगा है। कोरिया जिले के किसान अब धान के अलावा दलहन, तिलहन की खेती में भी रुचि ले रहे हैं, जिससे फसल विविधीकरण की दिशा में एक सकारात्मक परिवर्तन देखा जा रहा है।

धान के रकबे में कमी

कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, खरीफ वर्ष 2024-25 में जिले में 33,842 हेक्टेयर में धान की बुवाई की गई थी, जबकि वर्तमान खरीफ वर्ष 2025-26 में 32,920 हेक्टेयर में धान बोए गए हैं। इस प्रकार 922 हेक्टेयर क्षेत्रफल में (2.75 प्रतिशत) कमी दर्ज की गई है।

दलहन-तिलहन के रकबे में वृद्धि

जिले में दलहन और तिलहन फसलों के रकबे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विगत वर्ष 9,194 हेक्टेयर में दलहन की खेती की गई थी, जबकि इस वर्ष यह बढ़कर 9,730 हेक्टेयर हो गई है यानि 536 हेक्टेयर (5.82 प्रतिशत) की वृद्धि की गई है। वर्ष 2024 में 1,874 हेक्टेयर क्षेत्र में तिलहन की बुवाई हुई थी, जबकि वर्तमान वर्ष में यह बढ़कर 2,272 हेक्टेयर तक पहुँच गई है यानी 398 हेक्टेयर (21.23 प्रतिशत) की बढ़ोतरी हुई है।

मूंगफली फसलों के रकबे में उछाल

मूंगफली फसल की बात करें तो इसमें भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। पिछले वर्ष 933 हेक्टेयर में बुवाई की गई थी, जबकि इस वर्ष यह बढ़कर 1,520 हेक्टेयर हो गई है यानि 587 हेक्टेयर (38.61 प्रतिशत) की वृद्धि हुई है।

जिले के किसान फसल विविधीकरण की ओर अग्रसर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रदेश के किसानों और ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उठाए गए ठोस कदमों का ही यह परिणाम है कि अब जिले के किसान फसल विविधीकरण की ओर अग्रसर हो रहे हैं। जिले के किसान धान के अलावा दलहन, तिलहन फसलों के माध्यम से अपनी आमदनी बढ़ाने में रूचि ले रहे हैं। आने वाले समय में कोरिया जिला दलहन-तिलहन उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी जिलों में शामिल होगा। कृषि विभाग द्वारा किसानों को उन्नत बीज, तकनीकी मार्गदर्शन और विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार,जलवायु और मिट्टी की उपयुक्तता के चलते जिले में तिलहन और दलहन दोनों की पैदावार में और वृद्धि की संभावना है।

बौरीड़ाड पंचायत में पोषण और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

-संवाददाता-
एमसीबी,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

बौरीड़ाड पंचायत में बच्चों और महिलाओं को पोषण और स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी देने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रवेक्षक श्रीमती शिल्पा अग्रवाल ने तिरंगे भोजन के महत्व और इसे अपने दैनिक आहार में शामिल कर संतुलित व पोषण युक्त थाली बनाने के तरीके बच्चों और महिलाओं को समझाए।

इसके पश्चात् स्वच्छता समन्वयक श्रीमती प्रभा प्यासी ने स्वच्छता अपनाने के महत्व को बताते हुए बताया कि किस प्रकार हम मौसमी और छोटी-छोटी बीमारियों से बच सकते हैं।

बौरीड़ाड पंचायत को कुपोषण मुक्त ग्राम पंचायत बनाने की अपील : कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती निषीद लकड़ा ने उपस्थित बच्चों,महिलाओं और ग्रामवासियों से पोषण और स्वच्छता अपनाने की अपील की तथा बौरीड़ाड पंचायत को कुपोषण मुक्त बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अगले चरण में महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़ और एक मिनट प्रतियोगिता आयोजित की गई,जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर श्रीमती अग्रवाल ने बौरीड़ाड पंचायत को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत बनाने की शपथ दिलाई। इस जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी कार्यकर्ताओं और स्वच्छताग्राही दीदीयों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिससे बच्चों और महिलाओं को पोषण और स्वच्छता का संदेश प्रभावी रूप से पहुँचाया गया।

भरतपुर जनदर्शन में ग्रामीणों ने रखी अपनी समस्या,अपर कलेक्टर ने अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने दिए निर्देश

-संवाददाता-
एमसीबी,15 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश पर अपर कलेक्टर विनायक शर्मा ने भरतपुर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय कक्ष में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीणों और नागरिकों ने अपनी छोटी-बड़ी समस्याएं सीधे अपर कलेक्टर के समक्ष रखीं। अपर कलेक्टर ने सभी प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र एवं समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। आज के जनदर्शन में कुल 18 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें जनकपुर निवासी सुशील सिंह ने नगर पंचायत क्षेत्र में बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण कार्य के संबंध में, जबकि जनकपुर निवासी श्यामावती पति रमेश केवट ने स्थगन के संबंध में। ग्राम घटाई के सुरेश कुशवाहा ने सही नक्शा दिलाने के संबंध में, वहीं ग्राम डोंगरी टोला निवासी रामसेवक सिंह ने पंचायत चपरासी को न्याय दिलाने के संबंध में,ग्राम पंचायत जमुआ के सरपंच एवं कृषकों ने अपनी पंचायत को नवीन सहकारी समिति सिंगरौली से पृथक कर पूर्व माड़ीसरई समिति में शामिल किए जाने के संबंध में,ग्राम नौढ़िया के लवकेश अहिरवार ने रोजगार या सहायता राशि उपलब्ध कराने के संबंध में,जबकि ग्राम हर्राई निवासी विशेषर प्रसाद गुप्ता ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति धान खरीदी केंद्र सिंगरौली से समय पर ऋण जमा करने के बावजूद ऋण वसूली किए जाने के संबंध में अपना शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे।

अपर कलेक्टर विनायक शर्मा ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण किया जाए।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../ब-121/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिलीप कुमार सिंह आ0स्व0 तारकेश्वर सिंह निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1898/1 रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक अल्पना सिन्हा पत्नी अजय सिन्हा निवासी डी0सी0 रोड अम्बिका पर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपये 20,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 12.11.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-14/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला-सूरजपुर,,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ब/121/2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामवृक्ष आ0 स्व0 नान्ही जाति उरांव निवासी ग्राम आमगांव प0ह0न0 ..... रा0नि0म0 ..... तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के माता स्व0 गेदी का मृत्यु दिनांक 29/06/2013 को ग्राम आमगांव में हुई है। अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत आमगांव को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण न्यालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो से पेशी दिनांक 31/10/2025 तक वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम अपना आपत्ति इस न्यायायल में पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/10/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी लटोरी जिला सूरजपुर छ0ग0

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0.....ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 माशुक आ0 स्व0 युसुफ, निवासी खरसिया रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम श्रीगढ़ स्थित भूमि खसरा नंबर 1/6 रकबा 0.156 हे0 में से रकबा 0.020 हे0 भूमि को पंजीबद्ध विक्रयपत्र के माध्यम से रिजवाना खातुन पति जावेद अहमद को विक्रय किया गया है, किन्तु नामांतरण पश्चात् रकबा 0.020 हे0 के स्थान पर 0.0202 हे0 भूमि क्रेता के खाते में दर्ज कर दिया गया है। जिस कारण आवेदक के रकबे में कमी हो गया है। आवेदक के नाम पर वर्तमान में रकबा 0.0438 हे0 दर्ज है, जबकि बचत रकबा 0.0440 हे0 होना चाहिए। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने का निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 14/11/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 14/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

सील — अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार अबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202510020700032

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः- राजस्व सनः-2024-25

नमनाकला प.ह.नं.00020 (हे.)]

पक्षकारों का विवरणः-

आवेदक पक्षकार-चारूचन्द्र,

अनावेदक पक्षकार-छ0ग0शासन,

ईश्तहार

आवेदक चारुचन्द्र आ0 दौलत राम, निवासी ग्राम नमनाकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 377/9 रकबा 0.028 हे0 भूमि के राजस्व रिकार्ड में त्रुटिवश आवेदक का नाम चारूचंद्र के स्थान पर चारगराम आ0 दौलत राम दर्ज हो गया है जबकि वास्तविक नाम चारूचंद आ0 दौलत राम है। आवेदक के द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार,अंबिकापुर

पाकिस्तान ने रचा इतिहास : दक्षिण अफ्रीका को 93 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 से बनाई बढ़त

लाहौर, 15 अक्टूबर 2025। लाहौर टेस्ट में पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को 93 रन से हरा दिया। इसी के साथ वर्ल्ड चैंपियन प्रोटियाज टीम की लगातार 10 टेस्ट जीत का सिलसिला टूट गया। गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान ने अपने घरेलू पिच के टर्निंग ट्रैक का पूरा फायदा उठाया। लेफ्ट आर्म स्पिनर नोमान अली ने मैच में 10 विकेट लिए। बुधवार को चौथे दिन साउथ अफ्रीका लंच के बाद 183 रन पर ऑल आउट हो गई। पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 277 रनों का लक्ष्य दिया था। दो मैचों की सीरीज में पाकिस्तान 1-0 से आगे भी हो गया है। दूसरा टेस्ट सोमवार 20 अक्टूबर से रावलपिंडी में शुरू होगा।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत से आगे निकला पाकिस्तान

पाकिस्तान वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप) पॉइंट्स टेबल में भारत से आगे निकल गया है। वेस्टइंडीज को हराकर भारत तीसरे नंबर पर आ गया था। लेकिन पाकिस्तान साउथ अफ्रीका को हराकर दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। भारत को एक स्थान का नुकसान हुआ। टीम अब चौथे पायदान पर खिसक गई है। नोमान-शाहीन को 4-4 विकेट साउथ अफ्रीका ने अपने कल के स्कोर 51/2 से खेलना आगे शुरू किया। नोमान अली ने शानदार गेंदबाजी जारी रखते हुए पहली पारी में 6 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 28 ओवर की गेंदबाजी की और 4 विकेट झटके। वे अपने पिछले 5 डोमेस्टिक टेस्ट मैचों में 46 विकेट ले चुके हैं। शाहीन शाह अफरीदी ने रिवर्स स्विंग का अच्छा इस्तेमाल किया और टैलेंडर्स बल्लेबाजों को जल्दी आउट कर दिया,उन्होंने 4 विकेट हासिल किए। चौथे दिन की तीसरे ही गेंद पर अफरीदी ने टोनी डी जॉर्जी (16 रन) को आउट कर दिया। इसके बाद,नोमान अली ने ट्रिस्टन स्टब्स (2 रन) को भी पवेलियन भेजा।

ब्रेविस और रिकेल्टन ने 73 रन जोड़े : डेवाल्ड ब्रेविस और रायन रिकेल्टन ने 73 रनों की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की,लेकिन लंच से पहले दोनों आउट हो गए। 22 साल के ब्रेविस ने 51 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया,जिसमें दो छक्के और 4 चौके शामिल थे,लेकिन वह नोमान अली की गेंद पर बोल्ड हो गए। साजिद खान ने रिकेल्टन (45 रन) को स्लिप में कैच आउट कराया।

पाकिस्तान की दूसरी पारी में 167 रन पर ऑलआउट

पाकिस्तानी टीम अपनी दूसरी पारी में 167 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम को पहली पारी में 69 रन की बढ़त मिली थी। पाकिस्तान की ओर से पूर्व कप्तान बाबर आजम ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। अब्दुल्लाह शफीक ने 41 और सउद शकील ने 38 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की ओर से सिमोन हरमीर ने 4 और एस मुथुस्वामी ने 5 विकेट झटके। साउथ अफ्रीका ने 216/6 के स्कोर से खेलना शुरू किया। टीम लंच से पहले पहली पारी में 269 रन पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तानी टीम ने पहली पारी में 378 रन बनाए थे

किसी भी पाकिस्तानी बैटर्स की फिफ्टी नहीं

दूसरी पारी में पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 2 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया। यहां ओपनर इमाम-उल-हक बगैर खाता खोले पवेलियन लौट गए। ऐसे में अब्दुल्लाह शाफिक (41 रन) ने कप्तान शान मसूद के साथ पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन यह साझेदारी ज्यादा देर नहीं चली। कप्तान मसूद (7 रन) 33 रन के टीम स्कोर पर हरमीर का शिकार बने। बाबर आजम ने 42 और सउद शकील ने 38 रन बनाए, लेकिन अपनी पारी को बड़ा नहीं कर सके। टीम के लोअर ऑर्डर ने भी खास प्रदर्शन नहीं किया।

नोमान अली ने झटके 6 विकेट, टोनी डी जोरी का शतक

पहली पारी में पाकिस्तान की ओर से नामान अली ने 6 विकेट झटके। जबकि साजिद खान ने 3 सफलताएं मिलीं। इस पारी में साउथ अफ्रीका की ओर से टोनी डी जोरी ने 104 रन की पारी खेली। रायन रिकेल्टन ने 71 रन बनाए।

पहली पारी में पाकिस्तान की ओर से 4 फिफ्टी लगी

पाकिस्तान की पहली पारी में इमाम-उल-हक (93 रन), कप्तान शान मसूद (76 रन), मोहम्मद रिजवान (75 रन) और सलमान अली आगा (93 रन) ने अर्धशतक लगाए। साउथ अफ्रीकी की ओर से एस मुथुस्वामी ने 7 विकेट झटके थे।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए अफगानिस्तान टीम का ऐलान,टेस्ट में स्टार क्रिकेटर को दिया आराम

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर 2025। जिम्बाब्वे के खिलाफ एक मात्र टेस्ट और तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। एक मात्र टेस्ट के लिए हशमतुल्लाह शाहिदी को कप्तान बनाया गया है,जबकि अनुभवी राशिद खान को इस प्रारूप से आराम दिया गया है। हालाकि राशिद खान जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज में अफगानिस्तान की टीम का नेतृत्व करेंगे। हाल ही में अफगानिस्तान के लिए टी-20 और वनडे में शानदार प्रदर्शन करने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बशीर अहमद भी टीम में अपना स्थान बरकरार रखने में सफल रहे हैं। बशीर अहमद जिम्बाब्वे के पिछले दौरे पर टेस्ट टीम का भी हिस्सा थे। तेज गेंदबाज जिया उर रहमान शरीफी,बाएं हाथ के स्पिनर शराफुद्दीन अशरफ और घरेलू रेड बॉल सीजन में प्रभावित करने वाले लेग स्पिनर खलील गुरबाज को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाहिदुल्लाह कमाल को भी जिम्बाब्वे से होने वाले टेस्ट और टी-20 स्क्वाड में शामिल किया गया है। इसके अलावा,तेज गेंदबाज इब्राहिम अब्दुलरहीमजई, सेदिकुल्लाह अटल और शम्स उर रहमान को रिजर्व पूल में जोड़ा गया है। मध्यक्रम के बल्लेबाज इजाज अहमदजई की भी अफगानिस्तान की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। इजाज अहमदजई ने 2024 की शुरुआत में टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में डेब्यू किया था। उनके साथ, शाहिदुल्लाह कमाल को सीरीज के टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

अफगानिस्तान के जिम्बाब्वे दौरे का कार्यक्रम: जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच एक मात्र टेस्ट मैच 20-24 अक्टूबर तक खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें तीन मैचों की टी-20 सीरीज में आमने-सामने होंगी। दोनों टीमों के बीच पहले दो टी-20 मुकाबले क्रमशः 29 और 31 अक्टूबर,जबकि तीसरा मैच 2 नवंबर को खेला जाएगा। ये सभी मुकाबले हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे।

अफगानिस्तान की टेस्ट टीम: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान),रहमानुल्लाह गुरबाज,इब्राहिम जादरान, अब्दुल मलिक,अफसर जजई (विकेटकीपर),इकराम अली खलिल (विकेटकीपर),बहिर शाह,शाहिदुल्लाह कमाल,इस्मत आलम,शराफुद्दीन अशरफ,जिया उर रहमान अकबर,यामीन अहमदजई,जिया उर रहमान शरीफी,खलील गुरबाज और बशीर अहमद। रिजर्वः इब्राहिम अब्दुलरहीमजई,सेदिकुल्लाह अटल और शम्स उर रहमान।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: यशस्वी टॉप-5 बैटर,पंत 8वें नंबर पर

बॉलर्स में कुलदीप 21 से 14 वें नंबर पर आए,वनडे में रोहित-कोहली को नुकसान

दुबई, 15 अक्टूबर 2025। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल,गेंदबाज कुलदीप यादव को आईसीसी रैंकिंग में फायदा हुआ है, जबकि रोहित शर्मा और विराट कोहली को नुकसान झेलना पड़ा है। आईसीसी ने बुधवार को रैंकिंग जारी की। 23 साल के यशस्वी जायसवाल दुनिया के पांचवें नंबर के टेस्ट बैटर बन गए हैं। उन्हें दो स्थान का फायदा हुआ। जायसवाल के पास 791 रेटिंग पॉइंट्स हैं। कुलदीप यादव 7 स्थान की छलांग के साथ टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग में 14वें स्थान पर आ गए हैं। उनके पास 689 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वनडे बैटर्स की रैंकिंग में रोहित शर्मा और विराट कोहली को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। इस लिस्ट में भारतीय कप्तान शुभमन गिल नंबर-1 पर बने हुए हैं।

जायसवाल ने बावुमा और मेंडिस पीछे छोड़ा

टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में भारतीय ओपनर जायसवाल ने साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा और श्रीलंकाई बैटर कुसल मेंडिस को पीछे छोड़ा है। टॉप-10 की लिस्ट में ऋषभ पंत (753 अंक) दूसरे भारतीय हैं। वे आठवें पायदान पर हैं। इंग्लिश बैटर जो रूट 908 रेटिंग पॉइंट्स के साथ दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं।

रोहित-विराट को एक-एक स्थान का नुकसान

वनडे बैटर्स में अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (764 अंक) ने 8 स्थान की छलांग लगाई और दूसरे स्थान पर आ गए। इससे रोहित शर्मा (756 अंक) तीसरे,पाकिस्तान के बाबर आजम (739 अंक) चौथे और विराट कोहली (736 अंक) 5वें स्थान पर खिसक गए हैं। टी-20 बैटर्स की रैंकिंग के टॉप-10 में बदलाव नहीं हुआ है।

राशिद खान वनडे के नंबर-1 गेंदबाज बने: गेंदबाजों की रैंकिंग में टेस्ट के टॉप-10 बॉलर्स की सूची में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वनडे रैंकिंग में राशिद खान 710 अंक लेकर दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं। इससे साउथ अफ्रीका के केशव महाराज (680 अंक),श्रीलंका के महीश तीक्षणा (659 अंक),इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर (654 अंक) और भारत के कुलदीप यादव (650 अंक) को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। टी-20 बॉलर्स के टॉप-10 में चेंज नहीं हुआ।

ओमरजई वनडे के टॉप ऑलराउंडर बने

अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई वनडे के नंबर-1 ऑलराउंडर बन गए हैं। उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ है। ओमरजई के 334 रेटिंग पॉइंट हैं। राशिद खान (257 अंक) भी दो पायदान के फायदे के साथ चौथे नंबर पर आ गए हैं। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा (302 अंक) दूसरे और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी (285 अंक) तीसरे स्थान पर हैं।

टीम रैंकिंग में ज्यादा बदलाव नहीं,

भारत वनडे और टी-20 में नंबर-1 आईसीसी की टीम रैंकिंग में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। ऑस्ट्रेलिया 124 अंक के साथ टेस्ट की नंबर-1 टीम है। भारत वनडे (124 अंक) और टी-20 (272 अंक) के टॉप पर कायम है। टेस्ट में भारतीय टीम चौथे स्थान पर कायम है। उसके इंग्लैंड से 4 अंक कम है। भारत के 108 और इंग्लैंड के 112 रेटिंग पॉइंट हैं।

2 ओवर के बाद भी 5 बल्लेबाजों का नहीं खुला खाता 4 हुए 0 पर आउट,संजू सैमसन की टीम ने बरपाया कहर

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2025। रणजी ट्रॉफी 2025-26 के एलिट ग्रुप बी के पहले राउंड का मुक़ाबला केरल और महाराष्ट्र के बीच खेला जा रहा है। तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे इस मैच में केरल गेंदबाजों की कहर बरपाती गेंदबाजी के सामने महाराष्ट्र के बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिये हैं।

केरल ने महाराष्ट्र को झकझोर कर रख दिया: इस मैच में मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी वाली केरल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और महज चार ओवर के अंदर महाराष्ट्र को झकझोर कर रख दिया।

टीम ने पहले दो ओवर में एक भी रन नहीं बनाए और अपने 3 बल्लेबाजों को डक पर खो दिए। दिलचस्प बात यह है कि पहले दो ओवर मेडन गए और इस दौरान पांच बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाये।

चार बल्लेबाज डक पर आउट हुए: पहले ओवर में पृथ्वी शॉ और सिद्धेश वीर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं दूसरे ओवर कि पहली ही गेंद पर अर्शिन कुलकर्णी डक पर आउट हुए। इस दौरान रुतुराज गायकवाड़ और कप्तान अंकित बवाने बिना खाता खोले क्रीज़ पर टीके रहे। हालांकि वे ज्यादा देर तक क्रीज़ पर नहीं टिक पाये और चौथे ओवर में बावने आउट हो गए। उनका विकेट भी डक पर गया। इस तरह महाराष्ट्र के चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके।

ऋतुराज गायकवाड़ को छोड़कर सभी बल्लेबाज फ्लॉप: कप्तान के आउट होने के बाद सौरभ नवाले बल्लेबाजी के लिए आए। उन्होंने ऋतुराज गायकवाड़ का साथ देने की कोशिश की,लेकिन वे लंबे समय तक क्रीज़ पर नहीं रह पाये और 23 गेंदों पर 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इस तरह सिर्फ 18 रन के स्कोर पर महाराष्ट्र को 5 बड़े झटके लग गए।

खबर लिखे जाने तक महाराष्ट्र ने 26 ओवर में पांच विकेट खोकर 81 रन बना लिए हैं। क्रीज़ पर गायकवाड़ 66 गेंद पर 35 और जलज सक्सेना 54 गेंद पर 29 रन बनाकर खेल रहे हैं। केरल के लिए एमडी निधेश ने तीन और नेदुमानकुझि बेसिल ने अबतक दो विकेट झटके हैं।

हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए अफगानिस्तान की टीम घोषित

काबुल, 15 अक्टूबर 2025। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए अपनी सात सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वॉन रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। अनुभवी ऑलराउंडर गुलबदीन नायब टीम की अगुवाई करेंगे। नायब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 160 से अधिक मैचों का अनुभव रखते हैं और उन्हें टीम का सबसे अहम खिलाड़ी माना जा रहा है। उनके साथ करीम जनत टीम में ऑलराउंडर के रूप में मजबूती जोड़ेंगे। टीम के मुख्य विकेटकीपर की भूमिका इकराम अलिखिल निभाएंगे,जो वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान के लिए भरोसेमंद प्रदर्शन कर चुके हैं। वे मध्यक्रम में स्थिरता के साथ-साथ विकेट के पीछे भी मजबूत विकल्प होंगे। क्रिकेट हांगकांग,चाइना के निदेशक अनुराग भटनागर ने कहा,हम पहली बार टीम अफगानिस्तान को हांगकांग सिक्सेस में शामिल कर बेहद उत्साहित हैं। उनका आक्रामक खेल इस टूर्नामेंट के लिए बिल्कुल उपयुक्त है और हमें उम्मीद है कि वे इस बार बड़ा प्रभाव छोड़ेंगे। अरिवा स्पोर्ट्स के सह-संस्थापक रजनेश चोपड़ा ने कहा,हांगकांग सिक्सेस 2025 में अफगानिस्तान की भागीदारी उनके विश्व क्रिकेट में उभरते दबदबे को दर्शाती है। उनका जज़्बा और प्रतिस्पर्धात्मक रवैया इस टूर्नामेंट की भावना से मेल खाता है। टीम में शरफुद्दीन अशरफ भी शामिल हैं, जो बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर होने के साथ-साथ बड़े शॉट लगाने में भी सक्षम हैं। इसके अलावा युवा ऑलराउंडर फारमानुल्लाह साफी घरेलू क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित कर चुके हैं मार्च, 2024 में टी20आई डेब्यू करने वाले 22 वर्षीय इजाज अहमद अहमदजई भी टीम का हिस्सा हैं। घरेलू सर्किट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी की पहचान रखने वाले 20 वर्षीय सेदिकुल्लाह पाचा टीम को मजबूती देंगे। हांगकांग सिक्सेस 2025 में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी,जिन्हें चार पूलों में बांटा गया है।

अफगानिस्तान की टीम : गुलबदीन नायब (कप्तान),इकराम अलिखिल (उपकप्तान),करीम जन्नत,शरफुद्दीन अशरफ,फारमानुल्लाह साफी,इजाज अहमद अहमदजई,सेदिकुल्लाह पाचा।

प्यूर्टो रिको के खिलाफ अर्जेंटीना की शानदार जीत,नेमार को पछाड़कर मेसी ने रचा इतिहास

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2025। अर्जेंटीना ने चेज स्टेडियम में प्यूर्टो रिको के खिलाफ 6-0 से जीत दर्ज की। मुकाबले के दौरान स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने दो गोल में असिस्ट किया। इसी के साथ लियोनेल मेसी पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बन गए। अद्भुत कौशल और रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धियों के लिए मशहूर मेसी ने अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 60 असिस्ट किए हैं। प्यूर्टो रिको के खिलाफ दो असिस्ट के साथ उन्होंने नेमार और लैंडन डोनोवन को पछाड़ दिया। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने अपने करियर में 58-58 असिस्ट किए हैं। अब मेसी अपने पेशेवर करियर में कुल 400 असिस्ट से सिर्फ तीन ही कदम दूर हैं। प्यूर्टो रिको के विरुद्ध मुकाबले में अर्जेंटीना ने तुरंत ही गेंद पर नियंत्रण कर लिया था। मुकाबले के 13 वें मिनट मोंटील ने मेसी को क्रॉस दिया,जिन्होंने क्रॉसबार पर शॉट मारा। निकोलस गोंजालेज ने रिबाउंड पर वॉली से गेंद को गोल की ओर पहुंचाया और मैक एलिस्टर ने हेडर से गोल करके मैच का खाता खोला। मैच के 23वें मिनट मेसी ने मोंटील को एक बेहतरीन पास दिया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम महाकाल मंदिर पहुंची

आईसीसी वर्ल्ड कप जीतने के लिए बाबा महाकाल से आशीर्वाद लिया

उज्जैन, 15 अक्टूबर 2025। भारतीय महिला क्रिकेट टीम बुधवार तड़के उज्जैन के प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आयोजित भस्म आरती में शामिल हुई। सभी खिलाड़ियों ने लगभग दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर बाबा महाकाल की आरती में भाग लिया और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में पूरी टीम बाबा महाकाल के दरबार में पहुंची।

टीम की अन्य सदस्यों में स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा,जेमिमा रॉड्रिग्स,दीप्ति शर्मा,पूजा वस्त्रकार,रितिका रावल,हरलीन देओल,श्री चरणी,स्नेहा राणा,रेणुका सिंह ठाकुर,अमनजोत कौर,क्रांति गौर और राधा यादव शामिल थीं। सभी खिलाड़ियों ने विधिवत रूप से पूजा-अर्चना कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महिला टीम ने भस्म आरती में शामिल होकर हाल ही में चल रहे वुमेन्स आईसीसी वर्ल्ड कप में विजय प्राप्त करने के लिए प्रार्थना की। मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा सभी खिलाड़ियों का सम्मान किया गया और उन्हें प्रसाद स्वरूप उपहार भेंट किए गए।

महिला विश्व कप:धीमी ओवर गति के लिए भारतीय क्रिकेट टीम पर जुर्माना

नई दिल्ली,15 अक्टूबर 2025। विशाखापट्टनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए आईसीसी महिला विश्व कप मैच में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण भारतीय टीम पर मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इस मुकाबले में मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने भारत द्वारा दिए गए 330 रनों के लक्ष्य को तीन विकेट और एक ओवर शेष रहते ही हासिल कर लिया। आईसीसी के मुताबिक समय सीमा में छूट का आकलन करने के बाद भी भारत की टीम एक ओवर पीछे पाई गई। इसके बाद एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरीज़ के मिशेल परेरा ने यह जुर्माना लगाया। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यदि कोई टीम निर्धारित समय में ओवर पूरे नहीं करती है,तो प्रत्येक ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का 5 प्रतिशत काटा जाता है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस गलती को स्वीकार कर लिया, जिसके बाद किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी।

कांकेर में टॉप-लीडर राजू समेत 100 नक्सलियों का सरेंडर

बस से बीएसएफ कैंप लाए गए,सुकमा में 27 ने छोड़े हथियार,50 लाख इनाम था...

कांकेर,15 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर स्थित कांकेर जिले में करीब 100 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया है। इनमें टॉप लीडर राजू सलाम,कमांडर प्रसाद और मीना शामिल है। जंगलों से बाहर आकर इन नक्सलियों ने कामतेड़ा बीएसएफ कैंप में हथियार डाले हैं। सभी नक्सलियों को बस के जरिए कैंप लाया गया। सुरक्षा कारणों के चलते बीएसएफ कैंप में हाई अलर्ट जारी किया गया है। जानकारी के मुताबिक, राजू सलाम डिवीजनल कमेटी मेंबर कंपनी नंबर 5 का कमांडर था। वह रावघाट एरिया में सक्रिय था। राजू सलाम कांकेर में पिछले 20 साल में घटी सभी बड़ी घटनाओं का मास्टरमाइंड रहा है। इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के मुख्यधारा में लौटने से इलाके में नक्सलवाद के खात्मे की उम्मीदें बढ़ गई हैं। फिलहाल,कांकेर पुलिस आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों की पहचान करने में जुटी हुई है। संभावना है कि इन्हें जल्द ही जिला मुख्यालय या संभागीय मुख्यालय में मीडिया के सामने पेश किया जाएगा। इसके अलावा एक दिन पहले ही 6 करोड़ के इनामी और पोलित ब्यूरो सदस्य भूपति ने 60 साथियों के साथ महाराष्ट्र में सरेंडर किया था। सुकमा में भी 50 लाख के इनामी 27 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनमें 10 महिलाएं और 17 पुरुष शामिल हैं। कोंडागांव जिले में 5 लाख की इनामी महिला नक्सली गीता उर्फ कमली सलाम (40) ने भी हथियार छोड़ दिए हैं।

सीएम फडणवीस के सामने भूपति समेत 61 नक्सलियों का सरेंडर

बता दें कि मोजुल्ला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू दादा ने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में सरेंडर करने का फैसला लिया था। वहीं आज बुधवार को भूपति उर्फ सोनू दादा समेत 61 नक्सलियों ने आधिकारिक तौर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने हथियार डाले हैं। ये नक्सली अपने साथ हथियार भी लेकर आए थे,जिसे सीएम फडणवीस को सौंपा। दरअसल,भूपति नक्सल संगठन में पोलित ब्यूरो मेंबर है। यह तेलंगाना के करीब नगर का रहने वाला है। 80 के दशक से माओवाद संगठन के साथ जुड़कर काम कर रहा था। छत्तीसगढ़,महाराष्ट्र,तेलंगाना,आंध्रप्रदेश ओडिशा, समेत अन्य राज्यों में यह मोस्ट वांटेड था। छत्तीसगढ़ सरकार ने भूपति पर करीब 1 से डेढ़ करोड़ रुपए का इनाम रखा है। अन्य राज्यों को मिलाकर ये 6 करोड़ रुपए से ज्यादा का इनामी है।

सुकमा में 50 लाख इनामी सहित 27 नक्सलियों का सरेंडर

सुकमा जिले में 27 सक्रिय नक्सलियों ने 14 अक्टूबर को सरेंडर किया है। इनमें 10 महिलाएं और 17 पुरुष शामिल हैं। इनमें 50 लाख रुपए तक के ईनामी 7 नक्सली भी हैं। जिनमें एक पर 10 लाख,तीन पर 8-8 लाख, एक पर 3 लाख,दो पर 2-2 लाख और नौ पर 1-1 लाख का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में पीएलजीए बटालियन नंबर 01 और रिजनल मिलिट्री कंपनी के हार्डकोर माओवादी शामिल हैं। सभी ने स्क्रकिरण चव्हाण और सीआरपीएफ, कोबरा सहित अन्य सीनियर अधिकारियों के सामने बिना हथियार आत्मसमर्पण किया। माओवादियों ने बताया कि शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति 2025 और नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर तथा सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव और संगठन की अमानवीय विचारधारा से परेशान होकर उन्होंने मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। सरकार की ओर से सभी आत्मसमर्पित माओवादियों को 50-50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि और पुनर्वास सुविधाएं दी जाएंगी।

पूर्व सीएम बघेल के खिलाफ चुनाव याचिका पर फैसला सुरक्षित

भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने दी है निर्वाचन को चुनौती

बिलासपुर,15 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और पाटन विधायक भूपेश बघेल के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस याचिका में सीएम रहते भूपेश बघेल पर आचार संहिता के उल्लंघन करने का आरोप है,जिसमें उनके निर्वाचन करने की मांग की गई है। दरअसल,दुर्ग से बीजेपी सांसद विजय बघेल ने भूपेश बघेल की विधायकी खत्म करने के लिए याचिका लगाई है। पूर्व में भूपेश बघेल ने याचिका खारिज करने के लिए हाईकोर्ट में आवेदन दिया था,जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। साथ ही कहा था कि याचिका चलने के लिए पर्याप्त आधार है।

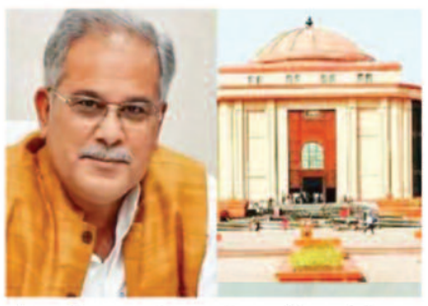

भूपेश ने रखा पक्ष...कहा चलने योग्य नहीं है याचिका: इस मामले की सुनवाई के दौरान पूर्व सीएम भूपेश बघेल की तरफ से 16 बिंदू प्रस्तुत कर बताया कि याचिका चलने योग्य नहीं है। याचिकाकर्ता ने जो भी आरोप लगाए हैं,उसका कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है

और न ही आचार संहिता उल्लंघन करने का कोई साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है। सांसद विजय बघेल ने भूपेश बघेल की विधायकी समाप्त करने की मांग की है। इसी मांग को लेकर ये याचिका लगी है। विजय बघेल का आरोप है कि विधानसभा चुनाव में भूपेश बघेल ने आचार संहिता का उल्लंघन किया है। चुनाव प्रचार के दौरान समय सीमा समाप्त होने के बाद भी भूपेश बघेल पाटन में प्रचार करते रहे।

शराब घोटाला...जेल में मनेगी भूपेश के बेटे चैतन्य की दिवाली

29 अक्टूबर तक बढ़ी रिमांड,ईओडब्ल्यू का दावा-पूछताछ में मिले सबूत,चार्जशीट अभी पेश नहीं

रायपुर,15 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में रायपुर की स्पेशल कोर्ट ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की ज्यूडिशियल रिमांड 29 अक्टूबर तक यानी 14 दिनों तक बढ़ा दी है। चैतन्य बघेल की दिवाली जेल में ही मनेगी। चैतन्य बघेल मनी लॉन्ड्रिंग केस में 18 जुलाई 2025 से जेल में हैं। ईओडब्ल्यू ने पहले 13 अक्टूबर को चार्जशीट पेश करने के लिए समय मांगा था,लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाई थी। कोर्ट ने चार्जशीट पेश करने के लिए 2 दिन यानी 15 अक्टूबर का समय दिया था,लेकिन ईओडब्ल्यू टीम अभी तक चार्जशीट पेश नहीं कर पाई है। ईओडब्ल्यू ने चैतन्य को कोर्ट के निर्देश पर 24 सितंबर को रिमांड पर लिया था। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों का दावा है कि,चैतन्य बघेल से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां मिली हैं। आने वाले दिनों में शराब घोटाला मामले में जांच का दायरा बढ़ेगा,जिससे कुछ और लोगों पर भी कार्रवाई हो सकती है। मनी

लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद चैतन्य के वकील फैजल रिजवी ने बताया कि आज बाकी आरोपियों की रिमांड आज खत्म हो रही थी,लेकिन उनकी 2 दिन की रिमांड बढ़ाई गई है। इसके साथ ही सभी आरोपियों का केस एक साथ चले,इसलिए 29 अक्टूबर तक रिमांड बढ़ाई गई है।

चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले : दरअसल,शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को भिलाई से गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। ईडी के मुताबिक शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। ब्लैक मनी को वाइट करने के लिए फर्जी निवेश दिखाया गया है। साथ ही सिंडिकेट के साथ मिलकर 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है।

चैतन्य के प्रोजेक्ट में 13-15 करोड़ इन्वेस्ट: ईडी ने अपनी जांच में पाया कि, चैतन्य बघेल के विठ्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए थे। प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि,बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया गया,जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया।

हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले पर दिखाई सख्ती,जांच की स्टेटस रिपोर्ट मांगी

बिलासपुर,15 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग भर्ती के मामले में राज्य सरकार की अपील पर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने इस मामले में अन्य उम्मीदवारों और अधिकारियों की भूमिका पर राज्य सरकार से स्टेटस रिपोर्ट देने को कहा है। साथ ही टिप्पणी करते हुए कहा कि पीएससी ने जिन लोगों को चुना,वे आज भी डेडलॉक की स्थिति में हैं। डिवीजन बेंच ने संबंधित सभी अपीलों को एक साथ सुनवाई के लिए प्रस्तुत करने को कहा है। दरअसल,सीजी-पीएससी 2021 में हुई गड़बड़ी को लेकर सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने डिवीजन बेंच में अपील की है। मंगलवार (14 अक्टूबर) को सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट में बताया गया कि परीक्षा नियंत्रक को हाल ही में गिरफ्तार किया गया है। इस पर हाईकोर्ट ने पूछा कि इसके बाद भी जांच अधूरी क्यों है? हाईकोर्ट यह भी पूछा कि चयन होने के बाद भी जब 37 उम्मीदवारों को अब तक नियुक्ति आदेश क्यों जारी नहीं हुए,उन्हें अनिश्चितता में क्यों रखा गया है? इसके साथ राज्य सरकार के यह बताने पर कि अंतिम समय में पेपर लीक हुआ था, हाईकोर्ट ने कहा कि अगर ऐसा हुआ है तो परीक्षा पर पुनर्विचार करना चाहिए। लेकिन जब तक जांच पूरी नहीं होती,तब तक उम्मीदवारों को क्यों लटकाया जा रहा है।

एकता परेड 2025 में छत्तीसगढ़ की झांकी चयनित

बस्तर की बदलती तस्वीर दिखेगी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परेड में...

रायपुर,15 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के लिए एक गर्व का क्षण सामने आया है। 31 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर गुजरात के एकता नगर (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) में आयोजित होने वाली एकता परेड में छत्तीसगढ़ की झांकी का चयन हुआ है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी सूची में छत्तीसगढ़ के साथ जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र,मणिपुर, उत्तराखंड,अंडमान-निकोबार,पुडुचेरी, एनडीआरएफ और एनएसजी की झांकियां भी शामिल की गई हैं।

बस्तर की बदलती पहचान बनेगी झांकी का केंद्र: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर जनसम्पर्क विभाग की टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह चयन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और विकास यात्रा की राष्ट्रीय

स्तर पर स्वीकृति है। इस वर्ष छत्तीसगढ़ की झांकी का थीम बस्तर: बदलाव की राह पर होगा,जिसमें इस क्षेत्र की पारंपरिक अस्मिता और आधुनिक विकास के समन्वय को दर्शाया जाएगा।

झांकी का मूल संदेश होगा: बस्तर अब बदल रहा है– संघर्ष से विकास की ओर,भय से विश्वास की ओर। यह दिखाया जाएगा कि कैसे कभी संघर्ष और असमानता का प्रतीक रहा बस्तर अब शांति,समृद्धि और नव निर्माण की दिशा में अग्रसर है। यह झांकी न केवल सांस्कृतिक आत्मा को प्रस्तुत करेगी,बल्कि राज्य सरकार की नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और विकासोन्मुख नीतियों की सफलता की भी प्रतीक होगी।

प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह करेंगे अवलोकन

इस भव्य आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी उपस्थित रहेंगे। वे सभी चयनित राज्यों और संगठनों की झांकियों का निरीक्षण करेंगे। एकता परेड का उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विविधता को एक मंच पर लाकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को मजबूत करना है।

मुख्यमंत्री साय का बयान

मुख्यमंत्री साय ने कहा, यह झांकी न केवल छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर का प्रदर्शन करेगी, बल्कि यह हमारी विकास यात्रा और सामाजिक एकता का भी प्रतीक बनेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय गौरव और सांस्कृतिक समरसता का एक मजबूत उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।एकता परेड 2025 में छत्तीसगढ़ की झांकी का चयन राज्य की सांस्कृतिक शक्ति और विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। बस्तर की नई पहचान और प्रगति की कहानी अब देशभर के सामने होगी।

गौमांस पकाते पकड़ाए दो युवक, बजरंग दल एक्टिव

राजनांदगांव,15 अक्टूबर 2025। ज़िले की धर्म नगरी डोंगरगढ़ एक बार फिर गौ माता से जुड़ी घटना को लेकर सुर्ख़ियों में है। जहाँ कुछ ही दिनों पहले एक युवक द्वारा गौ माता के साथ अनाचार का मामला सामने आया था वहीं अब ताज़ा मामला खुलेआम गौ मांस पकाए जाने का सामने आया है। बीती शाम हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन के पास स्थित वाहन पार्किंग क्षेत्र में दो आरोपियों को गौ मांस पकाते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ अज्ञात लोग रेलवे स्टेशन के पास खुलेआम गौ मांस पकाने का दुस्साहस कर रहे हैं। सूचना मिलते ही बजरंग दल के नगर संयोजक ऋषभ डकहा के नेतृत्व में कार्यकर्ता मौके पर पहुँचे,जहाँ दो युवक भागने लगे लेकिन कार्यकर्ताओं ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना किसी संयोग मात्र नहीं है,बल्कि डोंगरगढ़ में पिछले कई महीनों से लगातार गौ मांस की अवैध गतिविधियाँ चल रही हैं। सूत्र यह भी बताते हैं कि गौ माता की हत्या थाने से महज़ 200 मीटर की दूरी पर की जाती है यह सवाल खड़ा करता है कि आख़िर पुलिस की पेट्रोलिंग कहाँ हो रही है।

हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को बदला बरी को रद्द कर आजीवन कारावास की सजा सुनाई

बिलासपुर,15 अक्टूबर 2025। व्यवसायी व पूर्व मंत्री मूलचंद खंडेलवाल के बड़े भाई दशरथ खंडेलवाल की हत्या में हाईकोर्ट ने निचली अदालत के बरी करने के फैसले को रद्द कर दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरू की खंडपीठ ने दोनों आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास तथा धारा 307 के तहत 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई। यह घटना 22 नवंबर 2013 की है। दोपहर के समय दो युवक लूट की मंशा से 36 मॉल के नजदीक स्थित खंडेलवाल परिवार के घर में घुसे। उन्होंने दरवाजा खोलने वाली विमला देवी पर हमला किया। घर के मालिक दशरथ खंडेलवाल ने सामने के कमरे में आकर विरोध किया तो दोनों ने उन पर चाकू से वार कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद उन्होंने विमला देवी को भी घायल कर एक कमरे में बंद कर दिया और घर से घड़ी व मोबाइल लूटकर भाग निकले।जांच के दौरान पुलिस को शक हुआ कि ये वही लोग हो सकते हैं जो करीब एक साल पहले मीनाक्षी ट्रेडर्स से घर में चिमनी ठीक करने आए थे। सुराग मिलते ही पुलिस ने दयालबंद निवासी विक्की उर्फ मनोहर सिंह नाम के युवक पर नजर रखी। उसके आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि उसने कुछ दिन पहले एक बुजुर्ग की हत्या करने की बात कही थी। पुलिस ने उसे पकड़कर सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गया और वारदात

कबूल कर ली। उसने बताया कि नशे की लत और कर्ज के कारण उसने अपने दोस्त विजय चौधरी के साथ मिलकर यह योजना बनाई थी। घटना वाले दिन दोनों घर पहुंचे,पैसों की मांग की और विरोध होने पर हमला कर दिया। वारदात के बाद दोनों घड़ी और मोबाइल लेकर भाग गए,जिन्हें पकड़े जाने के डर से बाद में नष्ट कर दिया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया था। निचली अदालत ने मई 2016 में सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए आरोपियों को बरी कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ मृतक के पुत्र अनिल खंडेलवाल तथा शासन दोनों ने हाईकोर्ट में अलग-अलग अपीलें दायर की थीं। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि मामूली विरोधाभासों के आधार पर घायल प्रत्यक्षदर्शी विमला देवी की गवाही को खारिज नहीं किया जा सकता।

अनवर ढेबर को और राहत मिली,पैरोल बढ़ी

रायपुर,15 अक्टूबर 2025। कारोबारी अनवर ढेबर की पैरोल की तारीख बढ़ा गई है। चार दिन की पैरोल खत्म होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट में अर्जी लगाई थी। इसके बाद वह मंगलवार रात को पुलिस सुरक्षा के बीच रायपुर स्थित अपने निवास पहुंचे। जानकारी के मुताबिक,अनवर ढेबर ने अपनी मां की तबियत खराब होने का हवाला देकर पैरोल की मांग की थी। कोर्ट ने अर्जी स्वीकार कर ली थी। अब 7 दिन के लिए पैरोल बढ़ गई है। इससे पहले वह चार दिन की जमानत पर घर आए थे। निजी निवास के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि हर आने-जाने वाले लोगों की जानकारी रजिस्टर में नोट की जा रही है। कोर्ट ने दी थी चार दिन की अंतरिम जमानत दे दी है। जिसमें साफ किया कि यह राहत सिर्फ उनकी मां की तबीयत को ध्यान में रखते हुए दी गई है। 4 दिनों तक अनवर ढेबर अपने परिवार के साथ रह सकेंगे।

कागजों से भी 10,463 स्कूलों का अस्तित्व मिटेगा,डीपीआई ने जारी की गाइडलाइन

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा के 366 समेत प्रदेश के 10463 स्कूलों का अस्तित्व अब शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड से मिटने जा रहा है। इसमें एक ही परिसर में चल रहे 10297,ग्रामीण क्षेत्र में 1 किमी दायरे में मौजूद 133 व शहरी क्षेत्र में 500 मीटर दूरी में चल रहे 33 स्कूल शामिल हैं। युक्तियुक्तकरण के तहत इनके छात्रों व शिक्षकों को दूसरे स्कूलों में मर्ज किया जा चुका है। स्कूल बंद करने के अंतिम चरण में अब लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने इन स्कूलों के यूडाइस (यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफार्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन) नंबर को खत्म करने का निर्णय लिया है। इस बारे में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को गाइडलाइन जारी की है। गाइडलाइन के अनुसार पुराने स्कूलों के यू-डाइस नंबर समाप्त करने के लिए पुराने स्कूल की शाला प्रबंधन समिति निष्क्रिय कर नए स्कूल में नई समिति बनाई जाएगी। उनके बैंक खाते,बिजली कनेक्शन,

मध्याह्न भोजन,भवन,पुस्तकालय सब बंद कर दिए जाएंगे। केन्द्र सरकार से मिलने वाला अनुदान भी अब पुराने स्कूल की जगह उन स्कूलों के यू-डाइस नंबर में ट्रांसफर होगा,जिसमें बच्चों को मर्ज किया गया है। गौरतलब है कि युक्तियुक्तकरण में स्कूलों के शिक्षकों,छात्रों के संविलियनीकरण दूसरों स्कूलों में किया गया था।

इस दौरान दावा किया गया था कि स्कूलों को बंद नहीं किया जा रहा बल्कि मर्ज किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में स्कूलों के यू डाइस नंबर बंद नहीं किए जाएंगे। और उन स्कूलों की पहचान उससे बनी रहेगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)